हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, रविवार, 13 अप्रैल 2025

तापमान
अधिकतम 33 .0 डिग्री
न्यूनतम 19 .0 डिग्री

8 हनुमान जी की उपासना करने से हर मनोकामना संपन्न : डॉ. मित्ढा

8 नायब सरकार ने जरूरतमंदों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाया...

खबर संक्षेप

पीएम के दौरे को लेकर ड्रोन उड़ानों पर अस्थायी प्रतिबंध

जींद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 14 अप्रैल को प्रस्तावित यमुनानगर और हिसार दौरे के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते जिला प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। उपायुक्त एवं जिला मजिस्ट्रेट मोहम्मद इमरान रजा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी करते हुए बताया कि 14 अप्रैल को जिले की सीमाओं में अस्थायी रेड जोन घोषित किया गया है।

प्रताड़ित करने के आरोप में पति गिरफ्तार

कैथल। जींद के एक गांव की बेटी के साथ दहेज के लिए मारपीट कर उसे प्रताड़ित करने के आरोप में महिला थाना पुलिस की लेडी एचसी रेनु ने पीड़िता के पति गांव धनौरी निवासी प्रदीप को गिरफ्तार कर लिया। पीड़ित ने पुलिस को दी शिकायत अनुसार पीड़िता की शादी 18 अक्टूबर 2024 को प्रदीप उपरोक्त के साथ हुई थी। शिकायतकर्ता के परिवार जनो द्वारा उसकी शादी में हैसियत के अनुसार दान दहेज दिया था।

पिकअप चालक से 12 हजार रुपये छीने

जींद। गांव ढाकल के निकट दो कारों में सवार होकर आए लोगों ने फाइनेंसर वाले बता कर पिकअप चालक से लगभग 12 हजार रुपये छीन लिए। जिसके बाद आरोपित अपनी-अपनी गाड़ियों में बैठ कर अलग-अलग तरफ फरार हो गए। सदर थाना नरवाना पुलिस ने पिकअप चालक की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ छीना झपटी समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत केस दर्ज किया है।

खेत से सामान चोरी के तीन आरोपी गिरफ्तार

कैथल। खेत से तार व अन्य सामान चोरी के 2 मामलों की जांच थाना सदर पुलिस के एएसआई सलिंद्र व एचसी सुशील कुमार की टीम द्वारा करते आरोपी गांव फरल निवासी रोशन, राजपाल व सोनु को नियमानुसार गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गांव मानस निवासी रामफल की शिकायत अनुसार 24 फरवरी की रात उसके खेत कोठे से अज्ञात व्यक्ति स्टार्टर, ग्रिपस 20 फिट तार व अन्य सामान चोरी कर ले गए थे।

जेवर-नकदी संग महिला संदिग्ध हालात में लापता

जींद। गांव राजगढ़ ढाबी से सोना, चांदी के जेवरात तथा नगदी के साथ महिला के संदिग्ध हालात में गायब होने पर सदर थाना नरवाना पुलिस ने अज्ञात लोगो के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव राजगढ़ ढाबी निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपने काम पर गया हुआ था। गत दिवस उसकी पत्नी दो बच्चों को घर पर छोड़ कर घर से सोना व चांदी के जेवरात, पांच हजार रुपये की नकदी को अपने साथ ले गई।

अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण जरूरी : नरेश

पूंडरी। बर्फानी सेवा मंडल रजि. से प्रमुख सेवादार एवं अनाज मंडी पूंडरी फर्म प्रीतम लाल नरेश कुमार से प्रमुख आढ़ती नरेश कुमार गर्ग ने बताया कि अमरनाथ यात्रा 2025 की तैयारियां तेज हो गई हैं। देशभर की तय बैंक शाखाओं में यात्रा की तिथि से कम से कम 7 दिन पहले पंजीकरण किया जाएगा। अगर किसी को 3 जुलाई को परमिट चाहिए तो उसे 26 जून या उससे पहले पंजीकरण कराना होगा।

पैसे लेने निकला व्यक्ति संदिग्ध हालात में लापता

जींद। गांव बधाना से साढ़े नौ लाख रुपये लेने की बात कह कर घर निकले व्यक्ति के संदिग्ध हालात में गायब होने पर अलेवा थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव बधाना निवासी ऊषा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके पति संजय ने एक व्यक्ति से साढ़े नौ लाख रुपये लेने थे। गत नौ अप्रैल को उसके पति को रुपये ले जाने के लिए नगूरां बुलाया था।

फिर तीसरे दिन दोपहर बाद आकाश में छाए बादल, किसान परेशान, आसमान की तरफ देख रहे धरतीपुत्र

बरसात ने गेहूं की कटाई और कढ़ाई पर लगाया ब्रेक

जिले में औसतन 8.97 और नरवाना में 16 एमएम तेज बरसात

जिले में शुक्रवार रात को आए तूफान और बारिश से खेतों में खड़ी गेहूं की फसल को काफी नुकसान हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। खेतों में पक कर तैयार फसल। फोटो :हरिभूमि

बेमौसमी बारिश ने किसानों को दौराहे पर खड़ा कर दिया है। गेहूं की तैयार फसल खेतों में खड़ी है। पिछले दो दिनों से मौसम खतरा बन कर फसलों पर मंडरा रहा है। धूल भरी आंधी के साथ बारिश भी हो रही है। जिसके चलते गेहूं फसल की कटाई तथा कढाई पर ब्रेक लग चुका है। शनिवार को तीसरे दिन शनिवार को भी खतरे के बादल फसलों पर मंडराते रहे। किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ देखने को मिल रही है। किसानों को भय सता रहा है कि कहीं बिगडा मौसम उनकी खून पसीने की मेहनत को बर्बाद न कर दे। जिले में औसतन 8.97 एम एम बारिश दर्ज की गई है। बारिश के कारण तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। शनिवार को अधिकतम तापमान 33 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 18 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम में आद्रता 45 प्रतिशत तथा हवा की गति दस किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई। आकाश में बादलों के छाने से बारिश के भी आसार बने रहे। जिले में शुक्रवार रात को आए तूफान और बारिश से खेतों में खड़ी गेहूं की फसल को काफी नुकसान पहुंचा है। तेज हवा से पककर तैयार हुई गेहूं की बालियां गिर गई। इससे गेहूं की पैदावार पर भी असर पड़ा है। वहीं जिले में तूफान से कई पेड़ टूट गए। वहीं 20 के करीब बिजली के पोल भी गिर गए। इसके कारण कई जगह बिजली सप्लाई बाधित हो गई। तूफान का सबसे ज्यादा नुकसान पिल्लूखेड़ा क्षेत्र में हुआ है। निगम कार्यालय में बिजली से संबंधित 250 शिकायत पहुंची। वहीं बारिश के कारण जिले के कई गांवों में बिजली गुल रही। ईक्कस, रामराये, शामदो, देशखेड़ा, सिंधवीखेड़ा पावर हाउस में बारिश से बिजली सप्लाई बाधित हो गई। इसके कारण कई गांवों में बिजली चली गई। इसके बाद कर्मचारियों ने बिजली को बहाल करने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी। करीब चार-पांच घंटे बाद बिजली सप्लाई चालू हो पाई। वहीं नरवाना के कोयल सब स्टेशन में भी बड़ा फाल्ट हो गयाए जिसको कर्मचारियों द्वारा ठीक करने की कोशिश की गई लेकिन वह ठीक नहीं हो पाया। इसके कारण बिजली सप्लाई चालू नहीं हो पाई। ऐसे में अधीन आने वाले कई गांवों में ग्रामीणों ने गर्मी और मच्छरों के कारण रात काटनी पड़ी। शुक्रवार रात को जिले में औसतन 8.97 एमएम बारिश दर्ज की गई। नरवाना में सबसे ज्यादा 16 एमएम बारिश दर्ज की गई। जींद में 7.4 एमएम, सफीदों में तीन एमएम, जुलाना में सात एमएम, उचाना में छह एमएम, पिल्लूखेड़ा में नौ एमएम, अलेवा में 14.4 एमएम बारिश दर्ज की गई। शनिवार को दिन का आगाज साफ मौसम के साथ हुआ। दोपहर बाद मौसम ने तीसरे दिन भी करवट ली और आकाश में बादल भी दिखाई दिए।

मौसम परिवर्तनशील

मौसम वैज्ञानिक डा. राजेश ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के चलते मौसम खराब हुआ है। रविवार को भी मौसम परिवर्तनशील बना रहेगा। किसान कृषि से संबंधित कार्य मौसम को ध्यान मे रख कर करें।

बारिश से जमीन में नमी बनी

गेहूं कटाई का सीजन रफ्तार पकड़ रहा था कि बेमौसमी बारिश ने गेहूं कटाई तथा कढ़ाई पर ब्रेकलगा दिए है। बारिश के कारण जमीन में नमी बनी रही। जिसके चलते कटाई का कार्य नही हो सका। शाम को मौसम ने करवट ली तो किसानों की धड़कनें फिर से तेज हो गई। किसान आसमान की तरफ टकटकी लगाकर देखते रहे। बारिश के कारण मंडियों में गेहूं की आवक भी कम हुई है। किसानों का कहना है कि मौसम का खराब होना उन्हें बर्बादी की तरफ धकेल रहा है। फसल पक कर तैयार है। अगर बारिश होती है तो नुकसान, अगर देरी से कटाई होती है तो भी नुकसान होगा। मौसम ने उन्हें दौराहे पर खडा कर दिया है।

नरवाना में खुले में पड़ा गेहूं भीगा

नरवाना। नरवाना में शुक्रवार को आयीं आंधी कै बारे नरवाना के पूर्व विधायक रामनिवास सुरजाखेडा ने कहा कि आंधी तुफान से मंडियों में खुले में पड़ा हुआ एक लाख दस हजार किवंटल गेहूं बरसात में भीग गया जिससे आढ़ती व किसान मायुस नजर आए। शुक्रवार देर शाम एक दम तेज आंधी तुफान आया जिससे आढ़ती व किसान सम्भल भी नहीं पाये और जिससे उनका खुलें में पड़ा हुआ गेहूं भीग गया। जिससे उनके चेहरों पर मायुसी छा गई। उनकी छ माह की मेहनत पर पानी फिर गया। पूर्व विधायक रामनिवास सुरजाखेडा ने कहा कि उनके समय में भी ऐसा ही हुआ तब उन्होंने उस समय के लिए समय तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल से मिलकर उनकी समस्या का समाधान करवाने का काम किया थाए और उचित मुआवजा दिलवाले का काम किया था।अब उनका मुख्य मंत्री नायब सिंह सैनी से उनका अनुरोध है कि वो आढ़ती व किसानो की समस्या को देखते उनकी भरपाई करने का कष्ट करें।

जींद। आसमान में छाए बादल। फोटो :हरिभूमि

आज और कल बरसात के आसार

कैथल। जिले में पिछले तीन से मौसम में बदलाव जारी है। दो दिनों की बारिश के बाद शनिवार को तीसरे दिन भी सुबह के समय धूप खिली, लेकिन बाद दोपहर एक बार फिर से मौसम बदला। इस दौरान बादल छाए, लेकिन बारिश नहीं हुई। बता दें कि पिछले दो दिन से हुई बारिश के बाद मंडियों में आए गेहूं की फसल भीगने से नुकसान हुआ है। हालांकि मौसम विभाग के अनुसार खेतों में खड़ी फसल को कोई नुकसान नहीं है, लेकिन अब गेहूं की फसल की कटाई का कार्य जरूर प्रभावित होगा। मौसम विभाग ने अभी भी आगामी दो दिन तक बारिश होने का अनुमान लगाया है। अभी रविवार और सोमवार को भी दो दिन तक जिले के कई क्षेत्रों में बारिश हो सकती है। वहीं, मौसम बदलने के बाद अधिकतम व न्यूनतम तापमान में गिरावट भी दर्ज की है। शनिवार को अधिकतम तापमान 36 डिग्री और न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

नुकसान का शीघ्र मुआवजा दे सरकार: राजीव आर्य

कैथल। बारिश व ओलावृष्टि से फसलों में भारी नुकसान हरियाणा कैथल में बदला मौसम किसानों के लिए आफत बनकर आया। भाकियू के राष्टीय अध्यक्ष अजीत सिंह हाबडी तथा राजीव आर्य ने ढांड में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि बारिश के साथ ओलावृष्टि भी हुई जिससे किसानों की फसलें को काफी नुकसान हुआ जिससे किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया। जिन फसलों की कटाई हुई थी वो पानी में डूब गई वहीं जो फसलें कटाई के लिए तैयार थी उन्हें ओलावृष्टि व तूफान से पिछ गई। वहीं मण्डियों में भी फसलें पड़ी थी उन्हें भी भारी नुकसान हुआ। सरकार व प्रशासन की लापरवाही से मंडियों में जो फसलें पड़ी थी उन के लिए कोई खास प्रबंध नहीं थे जिस से किसानों को नुकसान उठाना पड़ा आधिकारियो द्वारा कही सैंड कि मरम्मत नहीं करवाई गई व नालियों की सफाई नहीं कराई गई जिससे पानी सड़कों पर जमा हो गया। इससे फसल भीग गई वहीं तूफान अधेड़ 20 -35 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आया।

सड़क पर खड़े ट्रक में लगी आग

- डीजल फैला फायर ब्रिगेड व लोगों ने मशक्कत कर आग पर पाया काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गुहला-चीका

पिहोवा रो पर खड़े एक खाली ट्रक में अचानक आग लग गई। उक्त ट्रक स्थानीय आरएन. ट्रेडिंग कम्पनी की बताई जा रही है। उक्त जानकारी देते कंपनी से जुड़े ठेकेदार प्रगट ने बताया कि ट्रक को गेहूं के सीजन में सरकार द्वारा खरीदी गेहूं को उठाने के लिए लगाया था और सम्बन्धित ट्रक ड्राइवर खाली ट्रक का कंडा करवाने के लिए पिहोवा रोड पर स्थित धर्म कांटे पर था और खाली ट्रक का वजन करवाने के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रहा था कि अचानक ट्रक में आग लग गई। प्रत्यक्षदर्शियों राजेश कुमार,सुरेश कुमार,नरेंद्र, सुरजन व काकू के अनुसार शार्ट सर्किट के कारण ट्रक में आग लगी और इसने इतनी तेजी पकड़ ली कि ट्रक का अगला हिस्सा धू धू कर जलने लगा व उस समय एक बार स्थिति बेकाबू होते दिखाई दी कि जब आग ट्रक के डीजल टैंक में घुस गई और टैंक फट गया। जानकारी के अनुसार टैंक फटते ही सारा डीजल सड़क पर फैल गया। आसपास के दुकानदारों व लोगों ने आग लगने की सूचना तुरंत 112 नम्बर पर पुलिस को दी और फायर ब्रिगेड को घटनास्थल पर बुलाया गया, जिसके बाद आग पर काबू पाया गया। ट्रक में लगी आग के दौरान ट्रक खाली था।

खून से लथपथ शव मिलने से मचा हड़कंप

- मृतक की शिनाख्त नही, पुलिस मामले की जांच मे जुटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। मौके पर मामले की जांच करते पुलिस। फोटो :हरिभूमि

गांव उचाना कलां तथा उचानाखुर्द के बीच बाग की नाली में खून से लथपथ व्यक्ति का शव मिलने से हडकंप मच गया। मृतक के चेहरे पर भारी वस्तु मार कर चेहरा विकृत किया गया था। साफ जाहिर था कि व्यक्ति की हत्या की है। मृतक की शिनाख्त न होने के कारण शव को नरवाना के नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवाया है। फिलहाल पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या तथा शव को खुर्दबुर्द करने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव उचाना कलां तथा उचाना खुर्द के बाग की नाली में 40 वर्षीय व्यक्ति का शव देखा गया। मृतक ने सफेद रंग की बनियान तथा स्लेटी रंग की पेंट पहनी थी। एक पांव में जुता था। सिर,गर्दन से ऊपर तेजधार हथियार से कई वार किए गए थे। चेहरे पर किसी भारी वस्तु से वार किया गया था। घटना की सूचना पाकर उचाना थाना पुलिस फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंच गई और हालातों का जायजा ले साक्ष्यों को जुटाया।

खुर्दबुर्द की नियत से डाला शव

मौके पर ऐसा कुछ नही मिला कि व्यक्ति की हत्या वहीं की गई हो। मृतक की गर्दन नाली में थी और हिस्सा बाहर की तरफ था। जिससे साफ था कि व्यक्ति की हत्या कहीं और की गई है। किसी वाहन से शव को लाया है। फिर शव को घसीट कर बाग की तरफ नाली में डाल दिया। आसपास आबादी भी नही है। मौसम खराब होने के चलते एकांत जगह देख कर हत्यारे शव का बाग के निकट डाल कर फरार हो गए। उचाना थाना प्रभारी कुलदीप सिंह ने बताया कि मृतक के पास से ऐसा कुछ नही मिला, जिससे उसकी शिनाख्त हो सके। अज्ञात के खिलाफ हत्या, शव खुर्दबुर्द समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत केस दर्ज कर लिया है।

राजौंद। कैथल असंध सड़क पर भरा पानी। फोटो :हरिभूमि

राजौंद: बरसात ने फेरा किसानों के सपनों पर पानी

राजौंद। देर रात हुई बरसात से किसानों के अरमानों पर भी पानी फिर गया। पिछले कई दिनों से किसान गेहूं की फसल को सहेजने में लगे हुए थे, जहां कई किसानों ने अपनी फसल मंडियों में डाली हुई है। वही कई किसानों ने चारा बनाने के लिए गेहूं की हाथ से कटाई की है। खेतों व मंडी में पड़ी गेहूं बीगने से किसानों को भारी नुकसान हुआ है। किसानों ने बताया की बरसात में गेहूं भीग जाने से उन्हें लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। बे मौसमी हो रही बरसात ने किसानों को पहले ही झिझोड कर रखा हुआ है, परंतु शनिवार की मूसलाधार बरसात ने तो किसानों को पूरी तरह बर्बाद करने का काम किया हुआ है। किसान रोशन, ओमप्रकाश, बूटा, रामकुमार, प्रेम, राजेंद्र ने बताया कि इस बरसात से पशुओं के लिए चारे को भी नुकसान हुआ है, खेतों में कटी पड़ी व खड़ी गेहूं भीग जाने से उन्हें गेहूं खाने के लिए भी लाले पड़ते नजर आ रहे है। वहीं इस बरसात से नगर के निचले हिस्सों में पानी जमा हो गया।

कैथल में गरजीं मिड-डे-मील वर्कर्स

- जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर उपायुक्त को सौंपा मांगपत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। प्रदर्शन करती मिड-डे मील वर्कर्स। फोटो :हरिभूमि

मिड-डे-मील वर्कर यूनियन हरियाणा जिला कमेटी कैथल का जिला प्रदर्शन जारी रहा जिसकी अध्यक्षता यूनियन जिला प्रधान रितु शर्मा ने की और संचालन जिला सचिव सुनीता काकोत ने किया। प्रेस को दी जानकारी मैं यूनियन नेताओं यूनियन राज्य कोषाध्यक्ष कॉमरेड सत्यवान, सीटू नेता मास्टर जयप्रकाश शास्त्री, सीटू जिला सचिव नरेश कुमार, कविता मुंदड़ी, चंद्रपति, सुषमा बेगपुर, राजो सिमला, राजबाला साकरा, धूप सिंह खरका ने कहा आज पूरे हरियाणा भर में स्कूल में खाना बनाने वाली मिडे मील वर्कर्स ने राज्य कमेटी के फैसले अनुसार जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर अपनी मांगों का ज्ञापन उपायुक्त के माध्यम से शिक्षा मंत्री को सौंपने का फैसला लिया है उसी कड़ी को जोड़ते हुए यहां कैथल में भी विरोध कार्रवाई की गई जिले भर के अनेक गांव से मिड डे मील वर्कर पहले तो हनुमान वाटिका पार्क में एकत्रित हुई और उसके बाद प्रदर्शन करते हुए लघु सचिवालय में पहुंची और अपनी मांगों का ज्ञापन कानूनगो के माध्यम से शिक्षा मंत्री को भेजा।

जींद। धरना देते अध्यापक। फोटो :हरिभूमि

एचकेआरएन अध्यापकों का डीईओ कार्यालय पर धरना

जींद। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर शनिवार को डेमोक्रेटिक स्कूल टीचर एसोसिएशन जिला कार्यकारिणी व हरियाणा कौशल रोजगार निगम ने प्रदर्शन किया और डीईओ के माध्यम से मुख्यमंत्री व निदेशक शिक्षा विभाग हरियाणा के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से विशेष रूप से एचकेआरएन अध्यापकों को कार्यमुक्त ना करने, कार्यमुक्त किए गए अध्यापकों को समायोजित करने तथा एमआईएस पोर्टल पर अध्यापक डायरी लिखवाने के पत्र को वापस करवाने के लिए लिखा है। जिला प्रधान हरपाल सिंह ने कहा कि हरियाणा सरकार इस तरह अध्यापकों को कार्यमुक्त करना बंद करे और कार्यमुक्त किए गए अध्यापकों को अन्य स्कूलों में समायोजित करे। अगर सरकार और विभाग ऐसा नहीं करते हैं तो संघर्ष और तेज किया जाएगा। रामफल नागर ने कहा कि एमआईएस पोर्टल पर अध्यापक डायरी लिखने से अध्यापकों का शैक्षणिक समय कम होगा। धरने के दौरान सलिंदर मोर, वेदपाल रिढाल, सुमित्रा देवी, पूनम, अमित श्योकंद, संजय कुमार, विक्रम राही सहित अन्य अध्यापक मौजूद रहे।

उपलब्धि खेल नर्सरी अच्छे नागरिक बनाने में भी अहम भूमिका निभा रही

गांव बलबेहडा के एथलेटिक्स खिलाड़ी पवन के सेना में चयन से हलके में खुशी की लहर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गुहला-चीका

चीका की एथलेटिक्स खेल नर्सरी में अभ्यास करने वाले खिलाड़ी पवन कुमार निवासी गांव बलबेहड़ा का भारतीय सेना में चयन हुआ है। खिलाड़ी चीका की एथलेटिक्स नर्सरी का खिलाड़ी है। एथलेटिक्स कोच डॉक्टर सतनाम सिंह ने बताया की पवन कुमार पुत्र राजेश कुमार गांव बलबेहड़ा का रहने वाला है। उन्होंने उनकी इस सफलता के पीछे अथक मेहनत बताई। कहा कि वह पिछले 3 वर्षों से खेल का अभ्यास कर रहा है, जिस की बदौलत ही यह संभव हो पाया है। पवन कुमार 400 मीटर रेस का खिलाड़ी है जो कि राष्ट्रीय स्पर्धा में भाग ले चुका है।

300 खिलाड़ी अभ्यास कर रहे

खिलाड़ी जहां नशों से दूर रहते हैं वही साथ ही साथ एक अच्छे स्वास्थ्य का संदेश भी देते हैं। कहा कि खेल नर्सरी अच्छे नागरिक बनाने में भी अहम भूमिका निभा रही है साथ ही साथ रोजगार भी मुहैया करवा रही है। कहा कि आने वाले समय में और भी अच्छे खिलाड़ी यहां से निकलेंगे और गुहला चीका का नाम पूरे भारतवर्ष में रोशन करेंगे। खेल नर्सरी से रोजगार की संख्या दिन प्रतिदिन बड़ रही है। नर्सरी में लगभग 300 खिलाड़ी सुबह शाम अभ्यास करते हैं । नर्सरी द्वारा चलाई गई मुहिम नशा छोड़ो खेल अपनाओ पूरी तरह से सटीक हो रही है ।

कपास मंडी एफसीआई सड़क के हालात बद से बदतर, लोग दुःखी

- प्रशासन से शहर की प्रमुख समस्या को जल्द दूर करने की अपील की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

शहर की प्रमुख सड़क जो पुराने कोर्ट रोड रेलवे पुल से सीधी टोहाना रोड पर निकलती है इस पर शहर की मुख्य सब्जी मंडी पंजाबी धर्मशाला एफसीआई गोदाम और प्रमुख अनाज मंडी कपास मंडी है। इस सड़क पर इस समय राहगीरों का पैदल भी निकलना मुश्किल है और यह सड़क भारी वाहनों के लिए आवाजाही के लिए विशेष तौर पर बनी हुई है। यह सड़क काफी समय से टूटी.फूट कच्चा रास्ता बनी हुई है इस पर प्रशासन का कोई ध्यान नहीं है गेहूं का सीजन चल रहा है और किसानों को अपनी ट्राली में गेहूं भरकर ईस सड़क से अनाज मंडी कपास मंडी में जाना होता है और ट्रैकों के द्वारा मंडी से गेहूं एफसीआई में भी जाना होता है इस सड़क पर आज भारी कीचड़ है जिससे सभी को बहुत परेशानी हो रही है नरवाना वेलफेयर मंच के संयोजक सरदार हरचरण सिंह ने प्रशासन को जगाया और शहर की प्रमुख समस्या को दूर करने की अपील की इस मौके पर महिलाएं भी पहुंची उन्होंने भी अपना दर्द बयां किया व आस.पड़ोस के व्यापारी भी इस रास्ते के न बनने से काफी परेशान है।

खबर संक्षेप

महिला से अश्लील हरकत करने पर दो के खिलाफ केस

जींद। गांव रोहड़ में महिला के साथ मारपीट करने तथा अशील हरकत करने पर सदर थाना सफीदों पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव रोहड़ निवासी एक महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गांव के ही शेर सिंह तथा फुमन सिंह ने उसके साथ अशील हरकत की। जब विरोध किया तो आरोपितों ने उसके साथ मारपीट की।

स्कूल में चोरी, दो अज्ञात महिलाओं पर केस दर्ज

जींद। गांव लिजवाना कलां में चोरों ने सरकारी स्कूल की जाली उखाड़ कर सीपीयू समेत अन्य सामान को चोरी कर लिया। जुलाना थाना पुलिस ने स्कूल चौकीदार की शिकायत पर दो अज्ञात महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव लिजवाना कलां सरकारी स्कूल के चौकीदार हरपाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह स्कूल में डयूटी पर पहुंचा तो कंप्यूटर लैब के पीछे से जाली उखड़ी हुई।

सरकारी स्कूल से बर्तन और अन्य सामान चोरी

जींद। गांव मांडी कलां में बीती रात चोरों ने स्कूल के चार कमरों के ताले तोड़ कर इन्वर्टर, मिड डे मील बर्तन समेत अन्य सामान को चोरी कर लिया। मुखिया की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मांडी कलां के स्कूल के मुखिया अनिल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि चोरों ने चार कमरों के ताले तोड़ कर बैटरी, इन्वर्टर, बर्तन, झूला समेत अन्य सामान को चोरी कर लिया।

पेंशनरों की मांगों को शीघ्र पूरा करे सरकार

जींद। पुलिस लाइन में शनिवार को पुलिस पेंशनरों की बैठक प्रेम सिंह बांगड की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में सभी ने एक मत होकर प्रेम सिंह बांगड को आगे के लिए पुलिस कर्मचारी एसोसिएशन का जिलाध्यक्ष मनोनित किया। उन्होंने मांग की कि पुरानी पैंशन पद्धति को लागू कियाज ए। सरकार द्वारा कैशलेस मेडिकल सुविधा का पत्र की पालना करवाई जाए।

जाट समुदाय विशेष तौर पर कृषि पर ही निर्भर

जींद। इनेलो जिलाध्यक्ष विजेंद्र रेढू ने 13 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय जाट दिवस पर कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है। कृषि देश की इकोनामी को बहुत बड़े स्तर पर प्रभावित करती है और कृषि से वैसे तो सभी बिरादरियों के लोग जुड़े हुए हैं लेकिन जाट समुदाय विषेष तौर पर कृषि पर ही निर्भर है और धरती का सीना चीर कर 140 करोड़ हिंदुस्तान के लोगों की किसान ही भूख मिटाने का काम करता है।

जुलाना में सिखाई जाएगी सुदर्शन क्रिया

जींद। 18 से 20 अप्रैल को जुलाना के हनुमान मंदिर वार्ड नंबर आठ में आर्ट ऑफ लिविंग के हैप्पीनेस प्रोग्राम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें विश्व प्रसिद्ध सांसों पर आधारित सुदर्शन क्रिया सिखाई जाएगी। वर्तमान में आर्ट ऑफ लिविंग संस्था 186 देशों में ध्यान, योग व तनाव मुक्त जीवन जीने की तकनीकें सीखा रही है। आर्ट ऑफ लिविंग के प्रशिक्षिक मनोवैज्ञानिक नरेश ने बताया कि सुदर्शन क्रिया सांसों की लयबद्ध तकनीक है।

विश्वविद्यालय कर रहा छात्रों के भविष्य को बर्बाद

जींद। सीआरएसयू में एबीवीपी इकाई के प्रधान राहुल कक्कड़ ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय छात्रों का भविष्य बर्बाद कर रहा है। यूनिवर्सिटी में 300 बच्चों का रिजल्ट जारी होने के बाद भी रिजल्ट नही दिख रहा। क्योंकि जब उन्होंने एडमिशन के फॉर्म भरे थेए तब उनका रिजल्ट ग्रेजुएशन का जारी नहीं हुआ था।

हीट वेव से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी

जींद। जिला आपदा एवं प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि गर्मी के मौसम में हवा के गर्म थपेड़ों और बढ़े हुए तापमान से लू (हीट वेव) लगने का खतरा बढ़ जाता है। खासकर धूप में घूमने वालों, खिलाडियों, बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को लू लगने का डर ज्यादा रहता है।

हरियाणा विधानसभा उपाध्यक्ष कार्यक्रम में पहुंचे

हनुमान जी की उपासना करने से हर मनोकामना होती है पूर्णः मिड्ढा

भक्ति, साहस और निस्वार्थ सेवा के प्रतीक भगवान हनुमान सदियों से पूजनीय रहे

हरिभूमि न्यूज. जींद

हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डा. कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा कि हनुमान जी को बजरंगबली, पवनपुत्र, अंजनीपुत्र, केसरीनंदन, मारुतीनंदन, पवनसुत, महावीर, कपीश और आंजनाय के नाम से भी जाना जाता है। आज हनुमान जन्मोत्सव मनाया जा रहा है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन महावीर हनुमान जी की उपासना करने से व्यक्ति की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं, साथ ही साधक को बल-बुद्धि वृद्धि का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है। डा. मिड्ढा शनिवार को हनुमान जयंती के अवसर पर हनुमान मंदिर, सेठों वाली धर्मशाला, रामलीला मैदान सहित अन्य स्थानों पर क्षेत्र वासियों को संबोधित कर रहे थे। कहा कि भक्ति, साहस और निस्वार्थ सेवा के प्रतीक भगवान हनुमान सदियों से पूजनीय रहे हैं। भगवान राम के प्रति उनका अटूट समर्पण और विपरीत परिस्थितियों में भी उनका अटूट विश्वास उन्हें

जींद। हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना करते डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा व हनुमान मंदिर में यज्ञ में आहूति डालते श्रद्धालु।

श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाई हनुमान जयंती

हरिभूमि न्यूज. जींद

■ यज्ञ में श्रद्धालुओं ने दी आहुति,शहर में जगह-जगह धार्मिक कार्यक्रम

जिलेभर में शनिवार को हनुमान जयंती पर मंदिरों में जहां भजन कार्यक्रमों तथा यज्ञ का आयोजन किया। वहीं शहर की सामाजिक संस्थाओं द्वारा जगह-जगह भंडारे भी लगाए गए। हनुमान गली स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में शनिवार को हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर हर वर्ष की तरह विशाल हवन व भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें शहर और गांव से हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस मौके पर जयति-जयति हिंदू महान संगठन के राष्ट्रीय संयोजक अतुल चौहान ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हनुमान गली स्तिथ हनुमान मंदिर में हवन कर भंडारे का आयोजन किया । जिसमें हजारों लोगों को प्रसाद वितरित किया गया। इसमें सैंकड़ों संगठन के सदस्यों ने हिस्सा लिया। अतुल चौहान ने बताया कि यह हनुमान मंदिर स्व. मास्टर सुशील चौहान ने अपने हाथों से बनाया था। यहां स्थित हनुमान की विशाल प्रतिमा पूरे भारत की सबसे बड़ी मिट्टी की मूर्ति है। इसको मिट्टी व गंगाजल से बनाया गया है। पूरे हिंदुस्तान में इतनी बड़ी मिट्टी की मूर्ति कहीं नही है। यहां दूर-दूर से लोग आते हैं और यहां सबकी मन्नतें पूरी होती हैं। यह पवित्र स्थान हजारों लोगों की आस्था का केंद्र है। जिसके कारण हर रोज यहां आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है। दुकानदारों ने अपनी पूरी सेवाएं भंडारे में दी।

उल्लेखनीय यात्रा के माध्यम सेए भगवान हनुमान दृढ़ताए निष्ठा और शक्ति और लचीलेपन का एक प्रतिष्ठित प्रतीक बनाता है। अपनी मानवीय भावना की शक्ति पर मूल्यवान सबक देते हैं।

रिटायर्ड कर्मचारी और अधिकारी एसो ने किया समस्याओं पर मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

रिटायर्ड कर्मचारी अधिकारी एसो जीन्द की मासिक बैठक प्रधान किताब सिंह भनवाला की अध्यक्षता में जाट धर्मशाला जींद में हुई। बैठक में सभी ब्लाकों के प्रधानएसचिव व कोषाध्यक्षों ने भाग लिया। एजेंडा महासचिव कुलदीप सिंह गोयत ने पेश किया। एजेंडे पर ओम सिंह , जयदेव शर्मा, शीशपाल लोहान, महेंद्र सिंह जागलान, जय सिंह धनखड़, जयनारायण जिलेदार आदि ने अपने विचार प्रकट किए और जगदीश पांचाल ने संस्कार युक्त कविताओं से मनोरंजन भी करवाया। प्रधान किताब सिंह ने बताया कि सरकार द्वारा कैशलैस मेडिकल सुविधा बारे नोटिफिकेशन जारी किए एक साल हो चुका है लेकिन यह सुविधा आज तक लागू नहीं की और अक्तूबर 2012 से पहले के रिटायर्ड कर्मचारी जो बैंक से पेंशन ले रहे हैं का डाटा पोर्टल पर उपलब्ध नहीं है।

जींद। मीटिंग में मौजूद एसोसिएशन पदाधिकारी। फोटो :हरिभूमि

जींद। छात्राओं को प्रशंसा पत्र देते हुए। फोटो :हरिभूमि

डोर टू डोर अभियान चलाया

जींद। हिंदू कन्या कालेज के भूगोल विभाग द्वारा खोखरी गांव में सौर ऊर्जा परियोजना के तहत स्मार्ट ऊर्जा गांव पर डोर टू डोर अभियान चलाया गया । इस अभियान को महाविद्यालय की प्राचार्या डा. पूनम मोर के द्वारा हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया। मानव आजकल की भाग दौड़ भरी जिंदगी में प्रकृति का विनाश करने पर लगा हुआ है। हमें पर्यावरण को बचाने के लिए इस तरह के अभियानों का अधिक से अधिक आयोजन करना चाहिए। भूगोल की छात्राओं ने इस आयोजन में बढ़चढ़ कर भाग लिया और ग्रामवासियों को सौर पैनल, सौर कूकर, सौर वाटर हीटर और सौर इनवर्टर जैसे उपकरणों का प्रयोग करके ऊर्जा को बचाने के बारे में जानकारी दी। आजकल बाजार में किसानों के लिए भी सौर ऊर्जा से चलने वाले उपकरण जैसे सिंचाई पंप, फसल सूखने वाले उपकरण और फसल प्रसंस्करण उपकरण उपलब्ध हैं।

मोतीलाल स्कूल में नए छात्रों का किया स्वागत

जींद। मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय के प्राचार्य रविंद्र कुमार ने बताया कि स्कूल में दाखिला लेने वाले नए विद्यार्थियों का स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि आप सब पहली बार इस विद्यालय में प्रवेश कर रहे हैं तो यह केवल एक शैक्षणिक संस्था में प्रवेश नहीं है बल्कि यह एक नई यात्रा की शुरुआत है। जो ज्ञान, अनुशासन, संस्कार व आत्मविकास की यात्रा है। इस अवसर पर विद्यार्थियों का तिलक लगा कर स्वागत करना हमारे भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को दर्शाता है। तिलक केवल एक परंपरा नही बल्कि यह यह बताता है कि हम प्रत्येक विद्यार्थी को ईश्वर का अंश मानते हैं और उसके मस्तक पर तिलक करके हम उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। हमारे विद्यालय में यह विश्वास किया जाता है कि शिक्षा केवल पुस्तकों और अंकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए।

खाटू श्याम धाम के लिए दो बसें रवाना

जींद। श्री श्याम तीन बाण धारी सेवा मंडल जींद द्वारा समय समय पर आयोजित धार्मिक यात्रा के अंतर्गत श्रद्धालुओं का दो बसों का एक जत्था अखिल भारतीय अग्रवाल समाज के प्रधान एवं प्रमुख समाजसेवी डा. राजकुमार गोयल द्वारा सालासर बालाजी और खाटू श्याम जी के दर्शन हेतु रवाना किया गया। प्रमुख समाजसेवी डा. राजकुमार गोयल ने पूजा.अर्चना के साथ इन दो बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर साड़ी एसोसिएशन के प्रधान सावर गर्ग, सेवा मंडल के प्रधान पुनीत जैन, उप प्रधान अजय बंसल, महासचिव सतीश सिंगरोहा, सचिव संजय सिंगला, कैशियर विशाल गर्ग, मनजीत सिंह, सुभाष गर्ग, विनोद कुमार, विवेक बंसल, संजय, नवीन, अजय, अनिल, डीसी बंसल, सन्नी, पूजा गुप्ता इत्यादि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

साइकिल यात्रा को लेकर बैठक लेते डीसी। फोटो :हरिभूमि

तेइस को जींद में प्रवेश करेगी साइकिल यात्रा

जींद। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने लघु सचिवालय के सभागार में शनिवार को आयोजित बैठक में बताया कि हरियाणा उदय आउटरीच कार्यक्रम के तहत ड्रग फ्री हरियाणा का संदेश लेकर साइक्लोथॉन 2.0 साइकिल यात्रा नशा मुक्ति अभियान के तहत 23 को जिला कैथल से जींद में प्रवेश करेगी। जिले के नागरिकों से अपील करते कहा कि अभियान में हिस्सेदारी निभाते नशे के विरुद्ध जन भागीदारी सुनिश्चित करें। साइक्लोथॉन 2.0 में शामिल होने के लिए सरकार द्वारा एक पंजीकरण लिंक जारी किया गया है। जहां इच्छुक व्यक्ति रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर नशा मुक्त हरियाणा की मुहिम को सफल बनाना है। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार, एसडीएम सत्यवान मान, जिप सीईओ अनिल दून मौजूद थे।

यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते मुख्य अतिथि राजकुमार गोयल।

संकुल स्तरीय अभ्यास वर्ग आयोजित

जींद। गोपाल विद्या मंदिर स्कूल में शनिवार को विद्या भारती हरियाणा प्रांत के प्रांतीय आचार्य सम्मेलन की पूर्व तैयारी को लेकर संकुल स्तरीय आचार्य अभ्यास वर्ग का आयोजन किया गया। जींद के संकुल प्रमुख विनोद वशिष्ठ, श्री शिव मंदिर सनातन धर्म वमावि उचाना कलां के प्रधानाचार्य रणधीर शास्त्री, स्वामी गणेशानंद सनातन धर्म विद्यालय उचाना मंडी के प्रधानाचार्य सुरेंद्र शर्मा, आदर्श बाल मंदिर विद्यालय नरवाना के प्रधानाचार्य जोगिंद्र, स्वामी निगम बोध गीता विद्या मंदिर सफीदों की प्रधानाचार्या रुचि कंसल, स्वामी गणेशानंद विद्यालय धनाना, भिवानी की प्रधानाचार्या नीलम व प्रधानाचार्य अजय कौशिक ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर अभ्यास वर्ग का शुभारंभ किया । अजय कौशिक ने आमंत्रित प्रधानाचार्य व आचार्य बंधु भगिनी का अभिनंदन व स्वागत किया।

गोपाल स्कूल में संकुल स्तरीय आचार्य अभ्यास वर्ग में भाग लेते हुए।

नगूरां प्ले स्कूल में बच्चों के अभिभावकों को प्रेरित करती जिला संयोजक वंदना।

रेडिनेसी मेले का आयोजन किया

अलेवा। महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार नगूरां गांव के प्ले स्कूल में रेडिनेसी मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आंगनवाड़ी वर्कर सुनिता ने की तथा मुख्य रूप से जिला संयोजक वंदना ने भाग लिया। इस अवसर पर प्ले स्कूल के बच्चों के अभिभावकों ने भाग लिया। अभिभावकों को संबोधित करते हुए जिला संयोजक वंदना ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र में रेडीनेस मेला बच्चों के सर्वांगिण विकास के लिए अति महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि खेल-खेल के माध्यम से बच्चों को सिखाया या पढाया जाए तो ये जल्दी सिखते हैं। प्ले स्कूल में बच्चों को बहुत कुछ सिखने को मिलता है और आगे स्कूल मे जाकर पढाई में कोई भी कठिनाई नहीं होती। अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुनिता, हेल्पर सुमन, पंच रीतू के अलावा बच्चों के अभिभावक उपस्थित थे।

जींद। शहीद यादगार समिति के कार्यक्रम को संबोधित करता वक्ता।

मौजूदा चुनौती विषय पर सेमिनार

जींद। शहीद यादगार समिति द्वारा स्थानीय सूबे सिंह स्मारक हाउसिंग बोर्ड जींद में महात्मा ज्योतिबा फूले नुक्कड़ नाटकों के प्रणेता सफदर हाशमी, जलियांवाला बाग हत्याकांड एवं बाबा साहेब अंबेडकर जयंती के उपलक्ष में भारत का संविधान एवं मौजूदा चुनौती विषय पर सेमिनार आयोजित किया । हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति के राज्य अध्यक्ष एवं राजनीति शास्त्र के प्रो प्रमोद गौरी ने मुख्य वक्तव्य प्रस्तुत किया। अध्यक्षता जनवादी लेखक संघ के सचिव मंगतराम शास्त्री ने की। प्रमोद गौरी ने कहा कि भारत का संविधान सिर्फ एक कानून की किताब भर नही है बल्कि आजादी के आंदोलन के संघर्षों का निचोड़ है। देश की आजादी के संघर्षों में विभिन्न विचार धाराएं शामिल थी। जो एक तरफ स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के विचार को चरितार्थ करने के लिए साम्राज्यवादी ताकतों के साथ लड़ रही थी।

हरियाणा की धरती पर लाखों कार्यकर्ता करेंगे प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत : भारत भूषण टाक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

■ 14 को पीएम मोदी महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट का शुभारंभ करेंगे

भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश सचिव व जिला चरखी दादरी के प्रभारी डा. भारत भूषण टाक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 14 अप्रैल को हिसार हरियाणा प्रवास का कार्यक्रम विशेष रहने वाला है। क्योंकि देश के पीएम ने भारत रत्न बाबा साहेब, नारी के मुक्तिदाता, संविधान निर्माता डा. अंबेडकर के जन्मोत्सव पर जो प्रदेश को समय दिया है, उसका समाज सदा-सदा के लिए आभारी रहेगा। क्योंकि इसी दिन बाबा साहेब का जन्म उत्सव भी मनाया जाएगा और हरियाणा को एक नई दिशा देते एकमात्र महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट का शुभारंभ करेंगे और हिसार से पहली उड़ान जोकि भगवान श्रीराम के दर्शनों के लिए अयोध्या के लिए रवाना करेंगे और बाबा साहेब को श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे।

भारत के प्रधानमंत्री के रूप में जब से इस देश की कमान संभाली है, तब से भारतरत्न डा. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को अनेक जगहों पर सम्मान दिया है जोकि कांग्रेस पिछले अपने 70 साल के इतिहास में नही दे पाई थी। जब से नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में सरकार ने बनी है तब से बाबा साहब के पंच तीर्थ निर्माण हुए हैं। जैसे मध्यप्रदेश के महू में जहां बाबा साहब ने जन्म लिया, उस स्थान को भव्य बना कर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए हैं। लंदन में बाबा साहेब ने जहां पर अपनी शिक्षा ग्रहण की वकालत की पढ़ाई की। जिस कारण बाबा साहब ने भारत का संविधान रचा उस जगह को भी केंद्र सरकार ने लेकर एक सुंदर भवन निर्माण करके भारत की जनता एवं विश्व को समर्पित करने का काम किया है। इसके साथ ही बाबा साहेब ने नागपुर में जहां पर अपने समाज के हजारों लोगो के साथ बौद्ध धर्म की दीक्षा ग्रहण की थी।

जुलाना। राजकीय कालेज में छात्रों को सम्मानित करते कालेज स्टाफ।

भाषण प्रतियोगिता में काजल प्रथम

जुलाना। शहीद मेजर संजीव लाठर राजकीय महाविद्यालय जुलाना में अंबेडकर जयंती के उपलक्ष कार्यकारी प्राचार्य विजेंद्र कुमार के मार्गदर्शन मे में हिंदी विभाग द्वारा भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसका संचालन डा. महीपाल ग्रोवर हिंदी विभागाध्यक्ष ने किया। प्रतियोगिता में विधार्थियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता में काजल ने प्रथम स्थान, महक ने द्वितीय स्थान और नैंसी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अवसर पर डा. ग्रोवर ने बताया कि बाबा साहब के पास 32 डिग्रियां थी। डा. अंबेडकर 64 विषयों में मास्टर थे। उन्हें नौ भाषाओं का ज्ञान था। इसके अलावा उन्होंने लगभग 21 वर्षों तक दुनिया के सभी धर्मों का तुलनात्मक तरीके से अध्ययन किया। दुनिया भर में सबसे अधिक गाने और किताबें डा. बीआर अंबेडकर के नाम पर लिखी गई हैं।

अभियान भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता गांव चलो, बस्ती चलो अभियान के तहत गांव जामनी में पहुंचे

नायब सरकार ने जरूरतमंदों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाया : कर्मवीर सैनी

प्रदेश में समानता के आधार पर हर क्षेत्र का चहुंमुखी विकास किया जा रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

प्रदेशभर में भाजपा द्वारा दो दिवसीय गांव चलो, बस्ती चलो अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत शनिवार को भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता एवं हरियाणा कान्फेड के चेयरमैन कर्मवीर सैनी सफीदों विधानसभा क्षेत्र के जामनी गांव में पहुंचे। जहां उन्होंने कई बस्तियों में कार्यकर्ताओं संग झंडे लेकर यात्रा निकाली और ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने गांव के चिकित्सा केंद्र, पंचायत कार्यालय, आंगनबाड़ी केंद्रों व स्कूल का निरीक्षण किया। जामनी गांव में ही बूथ स्तरीय बैठक को संबोधित करते चेयरमैन कर्मवीर सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने प्रदेश में गरीब व्यक्ति के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का काम किया है।

जींद। जामनी में कार्यकर्ताओं संग गांव चलो, बस्ती चलो अभियान चलाते कर्मवीर।

भाजपा सरकार लोगों को अनेक कल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ दे रही है। प्रदेश में समानता के आधार पर हर क्षेत्र का चहुंमुखी विकास किया जा रहा है। चेयरमैन कर्मवीर सैनी ने कहा कि बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर 14 अप्रैल को हिसार व यमुनानगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली ऐतिहासिक होगी। रैली की सभी तैयारियों पूरी कर ली गई हैं। हरियाणा के हर विधानसभा क्षेत्र से जनता प्रधानमंत्री की रैली में पहुंचेगी और प्रधानमंत्री भी हरियाणा के विकास के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। कर्मवीर सैनी ने कांग्रेसियों पर चुटकी लेते हुए कहा कि कांग्रेस के समय में 11 बार बिजली के दाम बढ़ा कर अढाई गुणा तक कर दिये थे। कांग्रेस पार्टी ने हमेशा झूठ की राजनीति की।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर वरिष्ठ नेता जगदीश कश्यप, होशियार सैनी, विकास रोहिल्ला, जयसिंह सैनी, जयकिशन सैनी, संजय, इंदर सैनी सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जींद। स्वास्थ्य जांच करते चिकित्सक। फोटो :हरिभूमि

104 लोगों का स्वास्थ्य जांचा

जींद। गांव झमोला में शनिवार को स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में एनपी, एनसीडी कार्यक्रम के तहत बीपी, शुगर की जांच, मुख के कैंसर, स्तन कैंसर की स्क्रीनिंग और एनीमिया मुक्त भारत प्रोग्राम के तहत 104 लाभार्थियों के स्वास्थ्य की जांच की गई। शिविर में सीएचओ डा. मोहन वशिष्ठ, एएमओ डा. रविकांत ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए हमें शारीरिक और मानसिक रूप से तंदुरुस्त रहने के लिए कुछ आदतों को अपनाना चाहिए। इसमें नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, अच्छी नींद और तनाव से दूर रहना शामिल है। हर दिन कम से कम 30 मिनट के लिए व्यायाम करें। भोजन में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा, विटामिन और खनिज शामिल करें। प्रतिदिन सात से आठ घंटे की नींद लें। तनाव से दूर रहें। तनाव को कम करने के लिए योग, ध्यान या अन्य तरीकों का अभ्यास करें। नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच करवाएं।

खबर संक्षेप

गुरु गोविंद सिंह की याद दिलाता है बैसाखी का पर्व

कैथल । संगीत अध्यापक एवं ज्योतिषाचार्य श्याम सुंदर शर्मा ने वैसाखी पर्व बारे बताया कि वीर वीरांगना देशभक्तों के बलिदान लगन यातनाओं के सहन से ही भारत ने आजादी पाई थी। 19 अप्रैल 1919 को जलियांवाला बाग अमृतसर में लोग ने जश्न मना रहे थे। अंग्रेज सैनिकों ने जनरल डायर के आदेश से निहत्थे लोगों पर गोलियां चलाई थी। इसमें हजारों लोग मारे गए थे और कुआं शवों से भर गया था। उनकी याद में वैसाखी का पर्व मनाया जाता है। सिखों के 10वें गुरु गोबिंद सिंह ने इस दिन अमृत पान स्वयं भी किया था और पंज प्यारों ने भी अमृतपान पिया था। इस दिन खालसा पंथ की नींव रखी और इस दिन किसान अपनी पक्की फसल काटना शुरू करते हैं। उनके लिए वैशाखी का दिन शुभ माना जाता है।

दिव्यांगों के जीवन में आई आशा की किरणः डॉ गर्ग

कैथल । दया गुप्ता मानव मंदिर, नारायण सेवा केंद्र पिछले कुछ महीनों से दिव्यांग बंधुओं के जीवन को सकारात्मक रूप देने में निरंतर प्रयास कर रहा है। विभिन्न संस्थाएं भी इन सेवा कार्यों में तन मन धन से अपना सहयोग दे रही हैं। इसी कड़ी में आज इनर व्हील क्लब ने इस सेवा केंद्र में आकर 13 दिव्यांग बंधुओं को कृत्रिम अंग लगवाए। इनर व्हील क्लब की डिस्ट्रिक्ट 308 की चेयरमैन सुजाता आहूजा, जनल काउंसलर गुरप्रीत कौर, पे डी सी कैथल शालिनी चौधरी, शाइनिंग स्तर प्रेसिडेंट रंजू मारवाह, कैथल क्वीन प्रेसिडेंट डिंपल जिंदल, अपने सदस्यों के साथ आज नारायण सेवा केंद्र में आए और यहां ऐसे दिव्यांग बंधु जो किसी ना किसी दुर्घटना में हाथ पैर खो चुके थे, कृत्रिम अंग लगवाए।

डिजिटल जागरूकता एवं उपयोग कार्यक्रम आयोजित

गुहला-चीका। डीएवी कॉलेज, चीका में पुस्तकालय विभाग और नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय /"डिजिटल पुस्तकालयः जागरूकता एवं उपयोग कार्यक्रम'' आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता और संयोजिका डॉ. सुमन यादव रहीं । इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और अध्यापकों को डिजिटल लाइब्रेरी के संसाधनों के उपयोग करने से संबंधित जानकारी प्रदान करना रहा।

श्री श्याम मंदिर में हवन का आयोजन

राजौंद। हनुमान जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर राजौंद प्रखंड के गांव सेरहदा के श्री श्याम मंदिर में हवन यज्ञ करवाया गया। जिसमें ग्राम वासियों ने हर्षोल्लास के साथ भाग लिया। हवन के बाद लड्डू और खीर भंडारे का प्रसाद भी बांटा गया। इस दौरान भगवान श्री राम व हनुमान संवाद का विस्तार पूर्वक वर्णन किया गया। भंडारे के दौरान श्रद्धालुओं को बड़ी श्रद्धा व आस्था के साथ भंडारे का प्रसाद ग्रहण करवाया। विश्व हिन्दू परिषद राजौंद प्रखंड के अध्यक्ष अशोक सेरहदा महंत बाबा मोहन गिरी बाबा मंगल गिरी पंडित अशोक कुमार पंडित रविन्द्र शर्मा व कृष्ण ढुल जसमेर ढुल रामकुमार शेर सिंह सरपंच सूबे सिंह अमरजीत सिंह आदि सदस्यों ने भाग लिया।

नशा न करने बारे करें जागरूक : कालिया

कैथल। कैथल पुलिस द्वारा गांव गांव जाकर एसपी राजेश कालिया के निदेर्शानुसार सार्वजनिक स्थानों पर लोगों को जागरूकता रैली, सेमिनार और वर्कशॉप के माध्यम से नशे के दुष्प्रभाव और नशे की लत से ग्रस्त लोगों के पुनर्वास संबंधी जानकारी प्रदान की जा रही हैं। एसपी राजेश कालिया ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि नशीले पदार्थों का प्रयोग करने से बचें और अपने परिवार के लोगों को भी बुरी लत से बचाते हुए अपने आस पड़ोस में नशा ना करने बारे जागरूक करें। एसपी राजेश कालिया ने जानकारी देते हुए बताया कि नशा मुक्त अभियान में कैथल पुलिस की विभिन्न टीमों द्वारा निरंतर रूप से सार्वजनिक स्थानों पर लोगों को नशा ना करने बारे जागरूक किया जा रहा है।

मंदिर श्री बालाजी मेहंदीपुर में धूमधाम से मनाया हनुमान जन्मोत्सव

हनुमान मंदिर में भक्तों ने मनोकामनाएं पूरी करने के लिए भगवान की पूजा की

कैथल। प्राचीन हनुमान मंदिर में यज्ञ में आहुति अर्पित करते श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

■ सभी को इस दिन धार्मिक आयोजनों में भाग लेना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। हनुमान जयंती पर भंडारे में पहुंचे श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

हनुमान जयंती के अवसर पर मंदिर श्री बालाजी मेहंदीपुर पुरानी सब्जी मंडी कैथल में हनुमान उत्सव का आयोजन किया गया। मंदिर के पुजारी भगत पंडित सतीश शर्मा ने बताया कि हर वर्ष मंदिर में हनुमान उत्सव का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष 12 अप्रैल दिन शुक्रवार को हनुमान जयंती का पावन पर्व होने से शुक्रवार को श्री रामचरितमानस का अखंड पाठ प्रारंभ किया गया एवं शनिवार को अखंड पाठ पूर्ण होने पर हवन कर भोग लगाया गया। उसके पश्चात भगवान बालाजी के भगतों द्वारा कीर्तन किया गया। तत्पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया जिसमें सैकड़ों की संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

श्री बालाजी मेहंदीपुर हनुमान मंदिर में भक्तों ने अपनी मनोकामनाएं पूरी करने के लिए भगवान की पूजा की। सभी को प्रसाद वितरित किया गया। सभी ने भंडारे में सेवा कर पुण्य अर्जित किया। भगत पंडित सतीश शर्मा ने बताया कि हनुमान जयंती बेहद पावन एव शुभ दिन है, इस दिन की पूजा से भगवान हनुमान जल्दी प्रसन्न हो मनोकामनाएं पूरी करते है। सभी को इस दिन यथासंभव धार्मिक आयोजनों में भाग लेना चाहिए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने के लिए शहर वासियों का धन्यवाद किया।

संकट मोचन हनुमान भण्डारा समिति ने हनुमान जयंती पर लगाया भंडारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

हनुमान जन्मोत्सव को प्रातः 12 बजे माल गोदाम रोड, हनुमान मार्किट, संकट मोचन हनुमान जी की प्रतिमा के पास छठा भण्डारा कढी चावल, हलवा पुरी का भण्डारे का आयोजन किया गया। शुभारंभ रविन्द्र गुप्ता, प्रवीन गुप्ता एवं रमेश सचदेवा ने भगवान हनुमान जी सभी देवी देवताओं, जल देवता पर प्रसाद चढाकर किया। इससे पहले हवन का आयोजन किया गया। इसमें पवन शर्मा एडवोकेट ने भगवान हनुमान की लड्डुओं की सवामणि का प्रसाद वितरण किया गया। लगभग एक हजार भक्तो ने प्रसाद को ग्रहण किया। यह भण्डारा हनुमान मार्किट के दुकानदारों के सहयोग से लगाया जाता है। स्मरण रहे कि संकट मोचन हनुमान भण्डारा समिति प्रति मास प्रत्येक पूर्णमासी को इस भण्डारे का आयोजन करती है। सातवां भण्डारा 12 मई को लगाया जाएगा। इस मौके पर अखिल भारतीय हिन्दू महासंघ के अध्यक्ष सतपाल मौजूद रहे।

प्राचीन हनुमान मंदिर में मनाई धूमधाम से हनुमान जयंती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

■ हनुमान जी के स्मरण मात्र से सभी कष्ट व दुविधाएं दूर होती हैं : शर्मा

हनुमान जयंती आज कस्बे में धूमधाम से मनाई गई तथा प्राचीन हनुमान मंदिर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने बढ़-चढकर भाग लिया। इस अवसर पर मंदिर में एक विशेष आरती का आयोजन भी किया गया। पूजन के पश्चात मंदिर के पुजारी सोहनलाल शर्मा ने हलवा व केले का प्रसाद वितरित किया और अपने प्रवचनों में कहा कि हमें हनुमान जी जीवन से सच्चे भक्त व विश्वास पात्र की शिक्षा लेनी चाहिए तथा अपने आराध्य देव की सच्चे मन से पूजा-अर्चना करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हनुमान जी के स्मरण मात्र से सभी कष्ट व दुविधाएं दूर होती हैं और मन परमात्मा के चरणों में लगता है। पुजारी सोहनलाल ने कहा कि श्री हनुमान जी का आज के दिन ही प्राकट्य हुआ था। उनका नाम लेने मात्र से ही दुखों का नाश हो जाता है। हनुमान जी बल, बुद्धि और प्रतिष्ठा को बढ़ाने वाले है। हनुमान जी शिव के अवतार हैं और वेद वेदांग, ज्योतिष, योग, व्याकरण, संगीत, अध्यात्मक तथा मल्ल विधा के आचार्य हैं। राजनिति व रणनिति में भी वे कुशल हैं।

सीवन क्षेत्र में चलाया अभियान

बेसहारा गोवंश को पकड़कर पहुंचाया स्थानीय गोशाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सीवन

सीवन क्षेत्र में आज 12 बेसहारा गायों को पकड़कर सुरक्षित रूप से स्थानीय गौशाला में पहुंचाया गया। यह अभियान हरियाणा गौ सेवा आयोग के दिशा-निर्देशों पर चलाया गया, जिसका उद्देश्य सड़कों पर घूम रहे गौवंश को आश्रय देना है। गौशाला सेवा समिति के प्रधान नरेंद्र सैनी ने बताया हरियाणा गौ सेवा आयोग ने इस कार्य के लिए ठेकेदार को जिम्मेदारी सौंपी है, जो क्षेत्र में अभियान चलाकर बेसहारा गायों को एकत्रित कर रहा है। सीवन गौशाला सेवा समिति के प्रधान नरेंद्र सैनी ने बताया कि आयोग के चेयरमैन श्रवण गर्ग की पहल पर यह सेवा कार्य निरंतर जारी है। उन्होंने कहा कि बेसहारा गायों को सुरक्षित गौशालाओं में पहुंचाना समाज का दायित्व है। गायों की सेवा और सुरक्षा को प्राथमिकता देते यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

गायत्री मंत्र का प्रभाव विषय पर किया व्याख्यान

गायत्री मंत्र अन्य कई मंत्रों से ज्यादा प्रभावशाली : रोहिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ढांड

कैथल। व्याख्यान में पहुंच अधिकारियों का स्वागत करते प्राचार्य डा . ऋषिपाल।

बाबू अनन्त राम जनता कालेज कौल के प्रांगण में प्राचार्य डॉ.ऋषिपाल की अध्यक्षता में संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ विशम्बर दास के संयोजन में 'विद्यार्थियों पर गायत्री मंत्र का प्रभाव' विषय पर एकदिवसीय विस्तृत व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में कार्यक्रम में भूपेंद्र सिंह रोहिला, सदस्य, गायत्री अनुसंधान केंद्र, शांतिकुंज हरिद्वार का आगमन हुआ। अपने वक्तव्य में विद्यार्थियों को संबोधित करते कहा कि गायत्री मंत्र अन्य कई मंत्रों से ज्यादा प्रभावशाली माना गया है।

शास्त्रों में भी इस मंत्र में को बहुत शक्तिशाली बताया गया है। इस मंत्र का जाप करने के लिए किसी विशेष समय की आवश्यकता नहीं होती, लेकिन अगर इसका जाप एक निर्धारित समय और नियम के अनुसार किया जाए तो यह ज्यादा लाभकारी सिद्ध होता है। विद्यार्थी जीवन में गायत्री मंत्र का जाप करने से कई प्रकार के लाभ मिलते हैं।

कैथल। कमांडिंग ऑफिसर कर्नल हरप्रीत सिंह ने आईटीआई के कैडेटस के साथ।

कर्नल हरप्रीत सिंह को गार्ड ऑफ ऑनर प्रस्तुत किया

कैथल । हरियाणा बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल हरप्रीत सिंह ने राजकीय आईटीआई का निरीक्षण किया। आईटीआईके प्राचार्य सतीश मच्छाल, एएनओ लेफ्टिनेंट जोगेंद्र सिंह ने संस्थान परिसर में कर्नल हरप्रीत सिंह का स्वागत किया। सूबेदार जुगराज भी उनके साथ उपस्थित रहे। कॉलेज के कैडेट्स ने कर्नल हरप्रीत सिंह को गार्ड ऑफ ऑनर प्रस्तुत किया। हरप्रीत सिंह ने कैडेटस को संबोधित करते हुए कहा कि हमें देश व समाज के लिए जीना चाहिए। जो व्यक्ति देश के लिए जीता है, वह अमर रहता है। विद्यार्थी काल ही ऐसा काल है जिसमें युवा सेना के साथ जुड़कर देश व राष्ट्रीय हित के लिए काम करता है। राष्ट्रीय हित के कारण ही आज भी समाज में सैनिक को पूरा मान सम्मान दिया जाता है। उन्होंने एसएसबी परीक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं और एनसीसी कैडेट्स राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभा सकते हैं। सतीश मच्छाल ने कर्नल हरप्रीत सिंह को संस्थान की ओर से हर प्रकार का सहयोग देने का आह्वान किया।

बरसात के कारण पानी एकत्रित

टूटी सड़क पर गंदा पानी भरने से लोगों का निकलना हुआ मुश्किल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

राजौंद। सड़क पर भरा पानी

राजौंद के असंध कैथल मार्ग की की टूटी हुई सड़क पर गंदा पानी भरने से लोगों का निकलना हुआ मुश्किल। कल शाम को हुई बरसात के बाद सड़क पर गंदा पानी भरने से लोगों का सड़क मार्ग से खाली गुजरना भी मुश्किल हो गया है आलम यह है कि इस सड़क से एक कदम भी कोई खाली नहीं गुजार सकता। दूसरा जगह-जगह सड़क टूटी होने के कारण सड़क पर गड्ढों में गंदा पानी भरा हुआ है। इससे कई वाहन चालक चोटिल हो रहे हैं। लेकिन संबंधित विभाग इस ओर लंबी तानकर सो गया है। कुछ रोज पहले संबंधित विभाग के कर्मचारियों ने इन गड्ढों में रोडे भर दिए जिससे पत्थर के टुकड़े भरने से यह पत्थर वाहनों के टायरों को फाड़ने के लिए दूर-दूर तक फैले हुए हैं। लोगों को अब अपने वाहन तुड़वाने को मजबूर होना पड़ रहा है। लेकिन सड़क की ओर कोई भी ध्यान नहीं दे रहा। इसे लेकर लोगों में भारी रोष है। यह सड़क लोगों के लिए आए दिन की मुसीबत बन गई है।

कांग्रेस भाजपा से सीखें, कैसे होता है सम्मानः रेखा

■ कांग्रेस पार्टी हरियाणा में तितर-बितर हो चुकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सांसद बोली-खिलाड़ियों को बढ़ावा देने में सरकार अव्वल

जींद। मंच पर मौजूद राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा। फोटो :हरिभूमि

राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा ने जींद में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि विनेश फोगाट जब सड़कों पर प्रदर्शन कर रही थी, ये पहले से ही नजर आ रहा था कि विनेश फोगाट को कांग्रेस मे जाना है और उसी को लेकर तैयारी चल रही थी। विधायक विनेश फोगाट जुलाना से चुनाव जरूर जीती हैं लेकिन मुझे नहीं लगता किसी भी खिलाड़ी ने विनेश फोगाट को वोट देने का काम नही किया है। विनेश फोगाट को कांग्रेस ने स्पोर्ट किया। इसलिए कांग्रेस की हार हुई और लोगों को पता था कि यह ड्रामा क्यों रचा जा रहा है। विनेश फोगाट भूल गई होंगी कि मैने (राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा) ने उनको फोन किया था जब वह चेयरपर्सन थी लेकिन विनेश फोगाट ने कभी नहीं चाहा कि टेबल पर बात हो। जब खिलाड़ी सड़कों पर बैठे थे तो हम उनको बुला रहे थे लेकिन उनकी सोच पॉलिटिकल थी। विधायक विनेश फोगाट राजनीति के साथ खिलाड़ी भी हैं। इसलिए बीजेपी पार्टी ने खिलाड़ी को मान-सम्मान देने का काम किया है। विनेश फोगाट का हम स्पोट्र्स पर्सन के तौर पर इज्जत और मान-सम्मान करते हैं। चाहे वह अब कांग्रेस में क्यों ना हों। राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा ने कहा कि जितना मान-सम्मान विनेश फोगाट का बनता है, बीजेपी ने उतना ही मान-सम्मान विनेश फोगाट को देने का काम किया है।

आसमान में धूल के कण छाने से बढ़े आखों के मरीजः डा. विकास

कैथल। जिले में इन दिनों चल रहे गेहूं सीजन से उड़ रही धूल की वजह से आंखों के मरीजों की संख्या बढ़ गई है। आसमान में धूल का गुबार उड़ता रहता है, जो नाक, मुंह से सीधे शरीर के अंदर पहुंच रही हैं। इस धूल मिट्टी का सबसे अधिक प्रभाव आंखों पर पड़ रहा है, जिससे अस्पतालों में आंखों के मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। जिले में इस समय कंबाइन से गेहूं कटाई का सीजन जोर-शोर से चल रहा है। इस कारण पूरे आसमान धूल करणों से ढका हुआ है। नेत्र रोग विशेषज्ञ का कहना है कि इस धूल का सबसे अधिक प्रभाव आंखों पर पड़ता है। एक सप्ताह लगातार ऐसी धूल मिट्टी में रहने से आंखों में जलन के साथ दर्द की शिकायत बढ़ सकती है। गुप्ता अस्पताल के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. विकास गुप्ता ने बताया कि धूल में सिलिका, लेड जैसे खतरनाक तत्व मौजूद होते हैं, जिसका आंखों पर गहरा प्रभाव पड़ता है। इससे डस्ट के पार्टिकल आंखों की कार्निया पर जाकर चिपक जाते हैं, जिससे आंखों को नुकसान पहुंच सकता है। इससे बचने के लिए आंखों पर चश्मा पहने। अगर नंबर नहीं है तो प्लेन चश्मा पहनें, जिससे आंखों में धूल मिट्टी न जाए। वातावरण में पीएम बढ़ने से एलर्जिक कंजेक्टिवाइटिस के मरीजों की संख्या बढ़ी है।

संस्था के प्रांगण में सम्पन्न होगा

श्री सनातन धर्म महावीर दल चीका का द्विवार्षिक चुनाव आज, माहौल गर्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गुहला-चीका

श्री सनातन धर्म महावीर दल।

चीका शहर की सुप्रसिद्ध समाजसेवी संस्था श्री सनातन धर्म महावीर दल के प्रधान पद का चुनाव रविवार को संस्था के प्रांगण में सम्पन्न होगा। चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हैं और फिलहाल 3 प्रत्याशी पूर्व प्रधान सोम प्रकाश जिन्दल, राज कुमार गर्ग व कपिल शर्मा चुनावी दंगल में हैं और इस बीच एक प्रत्याशी कपिल शर्मा ने संस्था के मतदाता सदस्यों से उसके समर्थन में वोट देने की अपील करते 51 विषयों से सम्बन्धित एक मेनिफेस्टो जारी कर बड़ा राजनैतिक धमाका कर दिया है, जिसमें चुनाव जीतने पर संस्था की 25 वर्षों से बंद पड़ी सदस्यता खोलने व अन्य विकास योजनाओं का हवाला दिया है, जिसके चलते संस्था में अबकी बार ना केवल चुनावी माहौल पूरी तरह से गर्म है बल्कि संस्था में राजनैतिक माहौल भी गरमा गया है। यही नहीं संस्था में गुटबाजी भी चरमसीमा पर है ।

कैथल। पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्य स्वर्गीय ईश्वर सिंह

पूर्व सैनिक हवलदार ईश्वर मौन पंचतत्व में विलीन

कैथल । गांव मटौर के पूर्व सैनिक ईश्वर सिंह मौन का लम्बी बीमारी के कारण निधन हो गया। वे दि गाड्र्स रेजिमेनट की द्वितीय बटालियन के जांबाज योद्धा थे। जैसे ही पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन कैथल को पता चला एसोसिएशन के पूर्व सैनिक अपने साथी के घर फ्रेड्स कॉलोनी करनाल रोड कैथल में पहुंचे। यहां पर जाकर कैप्टन मुख्तार सिंह जांगड़ा, सूबेदार ज्योति राम,सी पी ओ राजबीर भाना, हवलदार राजपाल कुंडू ,सूबेदार विजय शर्मा, एच एफ ओ बलबीर सिंह, हवलदार राजपाल बालू ने पार्थिक शरीर पर तिरंगा ओढ़ाया और अपने पूर्व सैनिक की अंतिम यात्रा में शामिल हुए। उनके पार्थिक शरीर को सूबेदार रणबीर सिंह ढुल पुर्व प्रधान जाट शिक्षण संस्था, कैप्टन नरेंद्र सिंह तवंर, सूबेदार नफे सिंह सौगल,सूबेदार मेजर रामफल चहल, रिशालदार कर्मवीर भाल, हवलदार राजेश ढूल, हवलदार राजबीर ढूल, दफेदार राजाराम कसान मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी का दौरा होगा ऐतिहासिक : दिनेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

■ 14 को हिसार में हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे

पूर्व विधायक प्रो. दिनेश कौशिक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 14 अप्रैल का हरियाणा प्रदेश का दौरा ऐतिहासिक होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को हिसार में महाराजा अग्रसैन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे और इसी दिन संविधान निर्माता बाबा साहब डा. भीमराव आम्बेडकर की जयंती भी मनाई जाएगी। इन ऐतिहासिक क्षणों को यादगार बनाने के लिए भाजपा की पूरी टीम लगी हुई है। उन्होंने कहा कि 14 अप्रैल को अपने-अपने क्षेत्र में डा. भीमराव आम्बेडकर की जयंती धूमधाम से मनाए और उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करें। डा. आम्बेडकर के दिखाए मार्ग पर चलते हुए देश की एकता, अखंडता व समरसता के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी वर्गों के कल्याण के लिए मुद्रा योजना शुरु की, जिससे लाखों लोगों ने अपने जीवन को बदला है। इससे पूर्व किसी भी सरकार ने गरीब व्यक्ति की तरफ ध्यान नहीं दिया।

कार्यक्रम | डा.अंबेडकर की देश ही नहीं दुनिया में विशेष पहचान हमेशा रहेगीः गर्ग

कलायत के श्री कपिल मुनि राजकीय महिला महाविद्यालय में किया बाबा साहेब को नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कलायत

कैथल। महिला कालेज में डा अंबेडकर जयंती मनाते प्राचार्य, प्राध्यापक व छात्राएं।

कलायत के श्री कपिल मुनि राजकीय महिला कालेज में संविधान निर्माता भारत रत्न डा.भीम राव अंबेडकर जी का जन्म दिन हर्ष उल्लास से मनाया गया। सेवा योजना, रेड क्रास एवं स्पेशल डे सेलिब्रेशन कमेटी के संयुक्त तत्वाधान में बाबा साहब को याद किया गया। आयोजन का शुभारंभ प्राचार्य डा.सुनील गर्ग ने प्राध्यापकों, छात्राओं व अन्य स्टाफ सदस्यों के साथ मोमबत्ती रोशन करते हुए और केक काटकर किया। इस दौरान सभी को बाबा साहब के जन्मदिन की बधाई दी गई। गर्ग ने कहा कि डा.अंबेडकर की देश ही नहीं दुनिया में विशेष पहचान हमेशा रहेगी। यही वजह है कि उनका जीवन आज भी हर किसी के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। चुनौतियों से जूझते हुए जिस प्रकार उन्होंने शिक्षा हासिल की और भारतीय संविधान लिखने का काम किया उसके लिए वे सदैव याद किए जाते रहेंगे।

उनकी कुशल सोच भारतीय संविधान में साफ तौर से झलकती है। यही वह संविधान है जो सभी वर्गों को जीने और आगे बढ़ने का समान अवसर प्रदान करता है। प्राचार्य ने छात्राओं को कहा कि वे डा.अंबेडकर के जीवन संघर्ष से प्रेरणा लेकर आगे बढें.निश्चित रूप से सफलता मिलेगी। डा.अंबेडकर ने नारी के लिए मातृत्व अवकाश, बाल देखभाल अवकाश, समान काम समान वेतन, कार्यक्षेत्र में निश्चित समय सीमा, पेंशन योजना, विधवा विवाह, लड़कियों को समान शिक्षा, महिलाओं को पैतृक संपत्ति में हिस्सेदारी और मानव कल्याण के कार्यों को करने में अहम भूमिका निभाई।

खबर संक्षेप

साइबर धोखाधड़ी होने पर 1930 पर करें कॉल

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में साइबर धोखाधड़ी के मामले सामने आ रहे हैं। बैंकिंग धोखाधड़ी, यूपीआई फिशिंग, फेक लिंक और अन्य ऑनलाइन ठगी से बचने के लिए आमजन को सतर्क रहने की जरूरत है। किसी भी अनजान कॉल, संदिग्ध लिंक या बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें। किसी भी तरह की ऑनलाइन धोखाधड़ी या साइबर क्राइम की घटना होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर सूचना दें। क्योंकि साइबर धोखाधड़ी के मामलों में जितना जल्दी सूचना पुलिस व अन्य संबंधित एजेंसियों तक पहुंचती है साइबर अपराध को रोकने की संभावना उतना ज्यादा होती है।

पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाएं

कैथल। डीसी प्रीति ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना शुरू की गई है। अंत्योदय परिवार जिनकी सालाना आय 1.80 लाख से कम है व जिनकी सालाना बिजली खपत 2400 युनिट तक है, वे दो किलोवाट तक का सोलर पैनल लगवाने पर भारत सरकार की ओर से 60 हजार रुपये व हरियाणा सरकार की ओर से 50 हजार रुपये अनुदान यानि कि कुल 1.10 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त कर सकते हैं । जिन परिवारों की सालाना आय तीन लाख रुपये तक है व जिनकी सालाना बिजली खपत 2400 युनिट तक है वो परिवार दो किलोवाट तक का सोलर पैनल लगवाने पर भारत सरकार की ओर से 60 हजार रुपये व हरियाणा सरकार की ओर से 20 हजार रुपये का अनुदान यानि कि कुल 80 हजार रुपये का अनुदान प्राप्त कर सकते हैं। तीन किलोवाट तक का सोलर पैनल लगवाने पर भारत सरकार की ओर से 78 हजार का अनुदान दिया जाएगा।

कल मिलेगी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की सौगात

नरवाना। प्रदेश की जनता को आगामी 14 अप्रैल को महाराजा अग्रसेन के नाम पर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के रूप में नई सौगात मिलेगी। इस हवाई अड्डा के शुरू होने से प्रदेश के विकास में नए अध्याय की शुरुआत होगी । बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती पर आगामी 14 अप्रैल को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिसार में हवाई अड्डा का उद्घाटन करेंगे। यह बात हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कही। कैबिनेट मत्री बेदी शनिवार को नरवाना पंजाबी भवन में भगवान हनुमान के जन्मोत्सव पर आयोजित वार्षिक कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। मत्री बेदी ने पंजाबी भवन में करीब 11 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित दो कमरे तथा शैड का उद्घाटन भी किया साथ ही 22 लाख रुपये अतिरिक्त अनुदान देने की भी घोषणा की। मत्री बेदी ने भगवान हनुमान जन्मोत्सव की क्षेत्र वासियों को शुभकामनाएं दी और सभी के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

जारी की उपचुनाव 2025 की प्रारंभिक मतदाता सूची

जींद । जिला निर्वाचक अधिकारी पंचायत एवं जींद के उपमंडल अधिकारी सत्यवान मान ने जानकारी देते हुए बताया कि पंचायती राज संस्थाओं के उपचुनाव 2025 के लिए मतदाता सूचियों का प्रारंभिक प्रकाशन कर दिया गया है। ये सूचियां राज्य चुनाव आयोग द्वारा 12 सितंबर 2024 को प्रकाशित विधानसभा मतदाता सूची के आधार पर तैयार की गई हैं। खंड जींद की सभी ग्राम पंचायतों की वार्ड वाइज मतदाता सूची 11 अप्रैल को जारी कर दी गई है। यदि किसी व्यक्ति को इस सूची में नाम जोडने, हटाने या किसी प्रकार की आपत्ति दर्ज करवानी हो तो वह 18 अप्रैल तक संबंधित ग्राम पंचायत के ग्राम सचिव, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी जींद के कार्यालय या जिला निर्वाचक अधिकारी पंचायत जींद के कार्यालय में आवेदन जमा करवा सकता है। प्राप्त दावों और आपत्तियों का निपटारा 22 अप्रैल तक किया जाएगा।

---

30 राजकीय स्कूलों और 20 से अधिक ग्राम पंचायतों को खेल नर्सरियां अलॉट
निजी खेल नर्सरियों के संचालकों से 31 मार्च तक मांगे गए थे आवेदन

ग्रामीण स्तर पर खेल प्रतिभाओं को निखारने की कवायद

हरिभूमि न्यूज. जींद

ग्रामीण स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने के लिए खेल विभाग की ओर से 30 राजकीय स्कूलों और 20 से अधिक ग्राम पंचायतों को खेल नर्सरियां अलॉट की गई हैं। इसमें ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ी अभ्यास कर सकेंगे। इसके अलावा निजी खेल नर्सरियों के संचालकों से 31 मार्च तक आवेदन मांगे गए थे। इच्छुक निजी खेल नर्सरियों के संचालकों की ओर से लगभग 250 आवेदन ऑनलाइन जमा करवाए गए हैं। निजी खेल नर्सरियों की जांच के बाद ही अलॉट हो पाएंगी। इसमें अभी थोड़ा समय लग सकता है। खेल विभाग की ओर से खेल नर्सरियों की रेटिंग और खिलाडियों का डाटा अपडेशन कार्य किया जाता है। इसके आधार पर हर साल जिले में खेल नर्सरियां अलॉट होती हैं। विभाग की ओर से खिलाडिय़ों की शारीरिक जांच के लिए ट्रायल भी आयोजित किया जाएगा। इसमें पास होने वाले खिलाडिय़ों को ही दाखिला दिया जाएगा। एक खेल नर्सरी में 25 खिलाडिय़ों का चयन किया जाएगा।

खेल अकादमी के लिए तैयार किया ग्राऊंड। फोटो : हरिभूमि

जिला खेल अधिकारी रामपाल हुड्डा ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में खेलों को बढ़ावा देने के लिए खेल विभाग की ओर से राजकीय स्कूलों को ग्राम पंचायतों को खेल नर्सरियां अलॉट की गई है। इससे ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ी अपने खेल में सुधार कर सकेंगे और वह आगे चलकर खेलों में बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे।

- राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल ईगराह कुश्ती
- राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल ईगराह कबड्डी
- राजकीय कन्या हाई स्कूल बीबीपुर हैंडबॉल
- राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल सफीदों वेटलिफ्टिंग
- राजकीय कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल उझाना वॉलीबॉल
- राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल नरवाना हॉकी
- राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल रामराये स्वीमिंग
- आरोही मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल हसनपुर कुश्ती
- राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बेलरखां फु टबाल
- राजकीय कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल डूमरखां खुर्द हॉकी
- राजकीय हाई स्कूल पांडू पिंडारा बॉक्सिंग
- राजकीय मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल नगूरां कुश्ती
- राजकीय हाई स्कूल डूमरखां कलां फु टबाल
- राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल रूपगढ़-जीतगढ़ ऑर्चरी
- राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय उचाना कलां ऑर्चरी
- राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय उचाना कलां फु टबॉल
- राजकीय स्कूल पोंकरीखेड़ी कबड्डी
- भगत सिंह स्पोर्ट्स अकादमी कुश्ती
- राजकीय मिडल स्कूल अशरफगढ़ हैंडबॉल
- राजकीय कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल जुलाना बास्केटबॉल
- राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल गतौली बास्केटबॉल
- पीएम श्री सीनियर सेकेंडरी स्कूल लोधर एथलेटिक्स
- शहीद रामनेहर सीनियर सेकेंडरी स्कूल भौंगरा वुशू
- आरोही मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल घसो खुर्द बॉक्सिंग
- राजकीय मिडिल स्कूल जुल्हेड़ा कबड्डी
- राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नगूरां वालीबॉल
- राजकीय मिडिल स्कूल ईगराह नेटबॉल
- राजकीय कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल सफीदों हॉकी
- राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय डिफेंस कॉलोनी बास्केटबॉल
- राजकीय मिडिल स्कूल गोसाईंखेड़ा वुशू

इन ग्राम पंचायतों को मिली खेल नर्सरी

- राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल ईगराह एथलेटिक्स
- राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल बीबीपुर फुटबॉल
- खेल युवा संगठन लिजवाना कलां कुश्ती
- ग्राम पंचायत रामराये स्वीमिंग
- राजकीय प्राइमरी स्कूल नगूरां कुश्ती
- दनौदा खुर्द जुडो
- ग्राम पंचायत देवरड़ बॉक्सिंग
- पंचायत झमौला कबड्डी
- कालवा स्पोर्ट्स अकादमी बॉक्सिंग
- ग्राम पंचायत बड़ौदी एथलेटिक्स
- ग्राम पंचायत ढाकल कुश्ती
- ग्राम पंचायत खरकरामजी कबड्डी
- हथवाला स्टेडियम कबड्डी
- मिनी स्टेडियम अकालगढ़ कबड्डी
- ग्राम पंचायत करेला एथलेटिक्स

हिसार के डिप्टी सीएमओ को सस्पेंड करने पर जताया रोष

सरकारी अस्पताल में चिकित्सकों ने काले बिल्ले लगा किया काम

प्रधान डा. बिजेंद्र ढांडा ने कहा कि डा. प्रभु दयाल के नेतृत्व में हिसार में लिंगानुपात में काफी बढ़ोतरी हुई।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जींद। काले बिल्ले लगा काम करते हुए चिकत्सक व बैठक कर रोष जताते हुए नागरिक अस्पताल के चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विस एसोसिएशन के आह्वान पर जिलाभर के सरकारी अस्पताल में कार्यरत चिकित्सकों ने हिसार के डिप्टी सीएमओ डा. प्रभुदयाल की सस्पेंशन कार्रवाई के विरोध में शनिवार को काले बिल्ले लगा कर काम किया। एसोसिएशन ने चेताया कि हिसार के डिप्टी सीएमओ को बिना किसी ठोस जांच के सस्पेंड कर दिया गया। जिसकी एसोसिएशन निंदा करती है। एसोसिएशन की मांग है कि मामले की तह तक जाया जाए। हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विस एसोसिएशन के आह्वान पर शनिवार को चिकित्सक नागरिक अस्पताल में एकत्रित हुए और रोष बैठक की। प्रधान डा. बिजेंद्र ढांडा ने कहा कि डा. प्रभु दयाल के नेतृत्व में हिसार में लिंगानुपात में काफी बढोत्तरी हुई। स्वास्थ्य अधिकारियों को चाहिए था कि पहले मामले की तह तक जाया जाए और फिर उस जांच के आधार पर कार्रवाई अमल में लाई जाए। एसोसिएशन ने मामले की निष्पक्ष जांच करवाने की मांग की। प्रधान डा. बिजेंद्र ढांडा ने कहा कि डा. प्रभुदयाल अपना कार्य बहुत अच्छे तरीके से कर रहे थे। बिना किसी एक्सपलेशन के डा. प्रभुदयाल को सस्पेंड करना गलत है। अगर कोई चिकित्सक दोषी है तो एसोसिएशन उसका साथ बिल्कुल नही देंगे। इसलिए सामने वाले व्यक्ति को अपनी बात रखने का मौका दिया जाना चाहिए। एसोसिएशन सरकार से मांग की कि बिना किसी जांच के चिकित्सक को सस्पेंड न किया जाए। इससे उनका मनोबल नीचे होता है। प्रदेश के अस्पतालों में पहले ही चिकित्सकों की कमी है। ऐसे में इस डर के कोई भी चिकित्सक सरकारी सेवा को ज्वायन नही करेगा। पूर्ण सत्य जाने बिना किसी को सस्पेंड न किया जाए। गौरतलब है कि नागरिक अस्पताल हिसार के पीएनडीओ विभाग के नोडल अधिकारी डा. प्रभुदयाल को अतिरिक्त मुख्य सचिव ने सस्पेंड कर दिया है। क्योंकि निजी चैनल एक स्टिंग आप्रेशन किया था। इस मौके पर डा. चंद्रमोहन, डा. विनिता, डा. संतलाल, डा. संकल्प, डा. सोनल सहित अन्य चिकित्सक मौजूद रहे।

जींद। मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

मिड डे मील वर्कर्स ने मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

मडि डे मील वर्कर्स ने शनिवार को मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन से पहले वर्कर्स नेहरू पार्क में जिला प्रधान कैलाश की अध्यक्षता में एकत्रित हुई। मंच का संचालन जिला सचिव सुनीता ने किया। वर्कर्स ने मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

मिड डे मील वर्कर्स यूनियन राज्य उपप्रधान सुनीता और राज्य कमेटी सदस्य संदीप जाजवान ने कहा कि विधानसभा के उपाध्यक्ष और जींद के विधायक डा. कृष्ण मिड्ढा को मांग पत्र सौंपना था लेकिन बेटी बचाओ ओर बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाले भाजपा सरकार के मंत्रियों और विधायकों के पास महिलाओं की समस्याओं को सुनने तक का टाइम नही है। फिर अपनी मांगों का मांग पत्र जिला शिक्षा मौलिक अधिकारी सुभाष चंद्र को सौंपा। उन्होंने 17 अप्रैल को यूनियन के प्रतिनिधि मंडल से बैठक का समय दिया है।

उन्होंने कहा कि पानीपत, सोनीपत व करनाल की मिड डे मील वर्कर्स शिक्षा मंत्री महीपाल डांडा के आवास पानीपत में प्रदर्शन कर रही हैं। वर्कर्स लंबे समय से अपनी मांगों व समस्याओं को लेकर आंदोलनरत हैं लेकिन प्रदेश सरकार उनकी मांगों को लेकर गंभीर नहीं है सरकार की बेरुखी है। यूनियन द्वारा मांग की गई कि वर्कर्स का बकाया व कटा हुआ मानदेय तुरंत जारी किया जाए।

श्री श्याम बाल वाटिका समूह में बैसाखी पर्व का रंगारंग आयोजन

- बच्चों ने पारंपरिक वेशभूषा में नृत्यए कविता एवं भाषण से बांधा समां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नरवाना

आज श्री श्याम बाल वाटिका समूह के तीनों स्कूलोंकृप्ले विंगए एमजे हाई स्कूल ;प्राइमरी विंगद्ध और सीनियर विंगकृमें बैसाखी पर्व को बड़े हर्षोल्लास और सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाया गया। स्कूल परिसर को बच्चों द्वारा बनाए गए रंग.बिरंगे सजावटी तत्वों से पारंपरिक पंजाबी थीम में सजाया गयाए जिससे संपूर्ण वातावरण में उत्सव और लोक संस्कृति की छटा बिखर गई।

प्ले विंग में इस अवसर पर एक विशेष आध्यात्मिक आयोजन भी किया गयाए जिसमें सुखमनी साहिब का पाठ श्रद्धा एवं भक्ति भाव से संपन्न हुआ। गुरुद्वारा टिकाना साहिब से बाबा जी का प्रकाश स्वरूप विद्यालय लाया गया। इसके पश्चात भाई जी ने शबद कीर्तन कर समस्त वातावरण को आध्यात्मिकता से भर दिया। अंत में सभी को प्रसाद का वितरण किया गयाए जिसमें बच्चोंए शिक्षकों व स्टाफ ने श्रद्धा से भाग लिया। पारंपरिक पंजाबी परिधानों में सजे बच्चों ने गिद्दाए भांगड़ा और लोक गीतों पर मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। साथ हीए बैसाखी के महत्व पर आधारित कविताएं और भाषण भी प्रस्तुत किए गएए जिन्होंने दर्शकों को भाव.विभोर कर दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती ज्योति अरोड़ा ने कहाए बैसाखी केवल एक पर्व नहींए यह किसानों की सालभर की मेहनत का उत्सव है। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के निदेशक श्री कृष्ण अरोड़ा ने सभी बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों को अपनी संस्कृति से जोड़ते हैंए आत्मविश्वास का विकास करते हैंए और उन्हें आध्यात्मिक तथा नैतिक मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने सभी को बैसाखी की शुभकामनाएं दीं।

डीएवी स्कूल में नई शिक्षा नीति पर कार्यशाला

- प्राचार्या रश्मि विद्यार्थी ने की कार्यशाला की अध्यक्षता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

डीएवी शताब्दी पब्लिक स्कूल में नई शिक्षा नीति पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला डीएवी पब्लिक स्कूल की प्राचार्या रश्मि विद्यार्थी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। दीप प्रज्वलित करके कार्यशाला की शुरुआत की गई।

इस कार्यशाला में सभी शिक्षकों ने भाग लिया। डीएवी प्राचार्या रश्मि विद्यार्थी ने कार्यशाला के विषय में कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का मुख्य उद्देश्य शिक्षा प्रणाली में सुधार करना, इसे अधिक समावेशी और लचीला बनाना और 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना है। साथ ही भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति के रूप में स्थापित करना है। नीति में प्रारंभिक शिक्षा के महत्व पर जोर

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य शिक्षा प्रणाली में सुधार करना

जींद। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ता। फोटो : हरिभूमि

दिया गया है।

एनईपी राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन की स्थापना के साथ उच्च शिक्षा में शोध और नवाचार को बढ़ावा देता है। एनईपी के सुधारों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित करने और आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करने की आवश्यकता है। नई शिक्षा नीति 2020 सेमिनार में इसकी प्रमुख विशेषताओं, लक्ष्यों और इसे लागू करने में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की जा सकती है। एनईपी का उद्देश्य भारतीय शिक्षा प्रणाली को बदलना है। यह समावेशिता और शिक्षा की बेहतर गुणवत्ता पर भी जोर देता है। एनईपी शिक्षा प्रणाली में बदलाव को प्रोत्साहित करती है। वीना सिंह व निहारिका दलाल रिसोर्स पर्सन रही। वीना सिंह एक शिक्षा सलाहकार, बोर्ड सलाहकार एनसीअफ हेल्पण्कोम की संस्थापक और देहरादून के यूनिसन वल्ड स्कूल की संस्थापक प्रिंसिपल भी हैं। वे सीबीएसई के पैनल में वरिष्ठ संसाधन व्यक्ति के रूप में शामिल हैं। उन्हें टोनी ब्लेयर के फेस टू फेथ फाउंडेशन से उत्कृष्ट पुरस्कार मिला और उन्हें ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर द्वारा आयोजित एक निजी स्वागत समारोह में अतिथि के रूप में शामिल होने का अवसर मिला। शैक्षणिक कार्य और सांस्कृतिक सम्मेलनों ने उन्हें दुनिया भर में ले जाया गया है।

उन्होंने हमेशा वंचितों की सेवा करने और लड़कियों और महिलाओं के उत्थान के लिए विवेकपूर्ण और निस्वार्थ भाव से काम किया हैं। प्रशिक्षण के दौरान रिसोर्स पर्सन ने कक्षा के माहौल को सकारात्मक व रोचक बनाने के गुण बताए एसाथ ही गतिविधियों के माध्यम से अध्यापकों का मार्गदर्शन किया। प्राचार्या रश्मि विद्यार्थी ने सभी रिसोर्स पर्सन का इतनी अच्छी जानकारी देने के लिए धन्यवाद किया और अध्यापकों को नई शिक्षण विधियों से पढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

रेल मंत्री को लिखा पत्र

सांसद शैलजा ने लिखा नरवाना से पटियाला रेल सेवा सुविधा नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नरवाना

सिरसा लोकसभा सांसद कुमारी शैलजा ने रेल मंत्री अश्विन वैष्णव को पत्र लिखकर नरवाना पटियाला रेल सेवा के संबंध में अवगत कराया की फिलहाल नरवाना से पटियाला कोई रेल सेवा के सुविधा नहीं है। पटियाला खेल और शिक्षा का मुख्य केंद्र हे जहां नरवाना और आसपास के क्षेत्र से काफी विद्यार्थियों और खिलाडिय़ों को आना जाना पड़ता हे इसके इलावा भी आमजन को धार्मिक और स्वास्थ्य संबंध में केवल बस से आना जाना पड़ता हे जिससे यात्रा काफी असुविधाजनक और महंगी हो जाती हे। इसी संबंध में सांसद ने रेल मंत्री को सुझाव दिया कि ट्रेन संख्या 54557ध्54558 अंबाला छावनी . पटियाला पैसेंजर जो की पटियाला स्टेशन पर लगभग 10रू30 घंटे खड़ी रहती है उसका विस्तार करके फास्ट पैसेंजर बना कर नरवाना से पटियाला का क्रम बढ़ाया जाए। पटियाला के बाद इसका ठहराव नाभा धुरी संगरूर सुनाम उधमसिंह वाला लेहरा घघाए जाखल टोहाना और नरवाना रखना चाहिए। जिससे हरियाणा और पंजाब के काफी क्षेत्र के लोगों को सीधी और सरल रेल सेवा सुविधा हो सके। अभी वो ट्रेन 10ध्30 घंटे पटियाला स्टेशन पर खड़ी रहती है। गौरतलब है कि नरवाना पटियाला रेल सेवा का मुद्दा पिछले कई वर्षों से पेंडिंग है।

सरकारी स्कूलों में छात्रों की संख्या बढ़ाने की कवायद

प्रवेश उत्सवः प्रचार पर पांच हजार खर्च सकेगा स्कूल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

सरकारी स्कूलों में छात्रों की संख्या बढ़ाने के लिए शिक्षा विभाग की ओर से प्रवेश उत्सव कार्यक्रम चलाया जा रहा है। प्रवेश उत्सव के दौरान प्रचार प्रसार के लिए विद्यालय अपने फंड से पांच हजार रुपये की राशि खर्च सकेगा। इसके लिए हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद की ओर से पत्र जारी किया गया है। प्रवेश उत्सव के दौरान अध्यापकों की ओर से गांव-गांव और घर-घर पर दस्तक दी जा रही है। इस दौरान यह सुनिश्चित किया जाएगा कि अधिक से अधिक बच्चों का दाखिला सरकारी स्कूलों में हो सके। जिले में 724 राजकीय स्कूल हैं। सरकारी स्कूलों में पढऩे वाले गैर बोर्ड कक्षाओं के बच्चों की वार्षिक परीक्षाएं खत्म हो चुकी हैं और उनका परिणाम भी घोषित किया जा चुका है। इसके चलते बच्चे अगली कक्षाओं में प्रमोट किए गए हैं। इसलिए शिक्षा विभाग की ओर से सरकारी स्कूलों में छात्रों की संख्या बढ़ाने के लिए प्रवेश उत्सव चलाया जा रहा है। इस दौरान अभिभावकों व बच्चों को सरकारी स्कूलों के बढ़ते स्तर के बारे में जागरूक किया जा रहा है और अध्यापक बच्चों के दाखिले

सरकारी स्कूल में करवाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। साथ ही बच्चों और उनके अभिभावकों को सरकारी स्कूलों में हो रहे सुधारों व नई सुविधाओं के बारे में जागरूक किया जा रहा है। प्रवेश उत्सव अभियान के तहत जिले को जीरो ड्रॉप आउट बनाने और उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों का दाखिला अगली कक्षा में करवाने को लेकर विशेष तौर पर जोर दिया जाएगा। राजकीय स्कूलों में निजी स्कूलों की तरह बैनर लगा कर दाखिले के लिए अभिभावकों को जागरूक किया जाएगा। छात्र संख्या बढ़ाने व उत्तीर्ण विद्यार्थियों का दाखिला करवाने के लिए स्कूल से लेकर टीम गठित की गई हैं। दाखिले के लिए मिड डे मील व आंगनबाड़ी वर्कर्स, नंबरदार, पार्षदों की मदद ली जा रही है।

फंड निर्धारितः डा. सुभाष

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी डा. सुभाष वर्मा ने बताया कि प्रवेश उत्सव कार्यक्रम को लेकर प्रचार प्रसार के लिए विद्यालय पांच हजार रुपये की राशि खर्च कर सकेगा। साथ ही ड्रॉप आउट की संख्या शून्य करने के भी निर्देश जारी किए गए हैं।

2024-25 में छात्र संख्या

- बाल वाटिका 4643
- पहली कक्षा 4617
- दूसरी कक्षा 4852
- तीसरी कक्षा 7359
- चौथी कक्षा 8457
- पांचवीं कक्षा 9188
- छठी कक्षा 9207
- सातवीं कक्षा 9544
- आठवीं कक्षा 10425
- 9वीं कक्षा 9062
- 11वीं कक्षा 9418
- 12वीं कक्षा 7132

कुल 104039

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 13 अप्रैल 2025

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा

विशेषः अप्रैल-तनाव जागरूकता माह

लाइफ में न रहे टेंशन सीखें स्ट्रेस मैनेजमेंट

आज के दौर में जिस तरह की लाइफस्टाइल हम सब जी रहे हैं, उसमें टेंशन से बचना तो बहुत मुश्किल है। लेकिन हम ऐसा जरूर कर सकते हैं, जिससे टेंशन हम पर हावी न हो। इसके लिए हमें स्ट्रेस मैनेजमेंट सीखना होगा। इसे सीखना बहुत कठिन नहीं है। यहां दिए जा रहे कुछ सजेशंस आपके लिए उपयोगी हो सकते हैं।

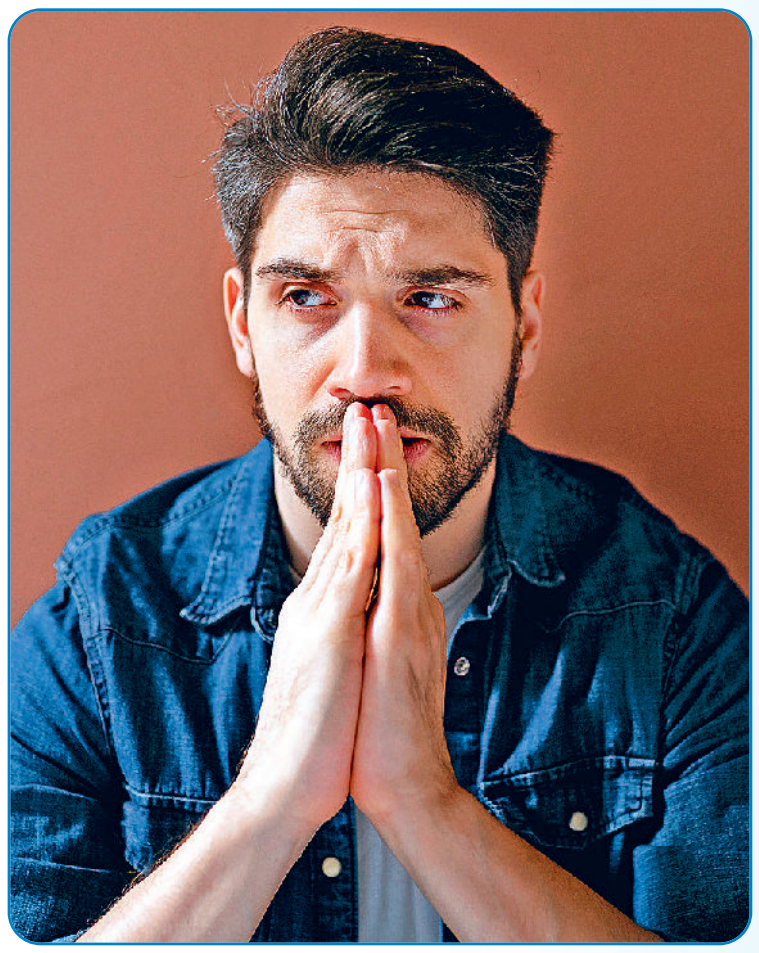

वर्तमान समय में दुनिया के हर हिस्से में स्ट्रेस एक महामारी का रूप ले चुका है। आपा-धापी भरे आज के जीवन में हर आयुवर्ग के लोग तनाव के घेरे में हैं। तनाव की जकड़न बच्चों से लेकर बड़ों तक, बहुत सी शारीरिक और मानसिक समस्याओं का भी शिकार बना रही है। यही वजह है कि तनाव के कारणों, इससे बचाव और उपचार के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 1992 से हर वर्ष अप्रैल को तनाव जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। महीने भर स्ट्रेस से पैदा हो रहीं समस्याओं पर खुलकर बातचीत करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। तनाव के शिकार लोगों के बढ़ते आंकड़ों को देखते हुए जरूरी हो चला है कि स्ट्रेस मैनेजमेंट के लिए कुछ सहज सरल कदम हर कोई अपनाए।

तनाव को समझिए

सबसे पहले तो तनाव में घिरने की स्थिति को समझना आवश्यक है। आमतौर पर स्ट्रेस के कारण पैदा होने वाली गंभीर बीमारियों के जाल में फंसने से पहले तक स्ट्रेस को कोई परेशानी समझा ही नहीं जाता। जबकि स्ट्रेस के दुष्प्रभावों को समय रहते समझना ही इसके नेगेटिव असर से बचने की राह है। असल में स्ट्रेस को प्रबंधित करने का तरीका जानने के लिए भी इसका शिकार होने की स्थितियों को समझना आवश्यक है। यह समझ तनाव से निपटने के लिए स्वस्थ तरीके ढूंढ़ना भी आसान कर देती हैं। स्ट्रेस के कारण जानकर ही निवारण का मार्ग ढूंढ़ा जा सकता है। इसीलिए सबसे पहले उन ट्रिगर्स को पहचानें, जो तनाव पैदा करते हैं। उन बातों और हालातों को ट्रैक करते रहें, जब आप तनाव महसूस करते हैं। ऐसी परिस्थितियों में अपनी प्रतिक्रिया पर भी नजर रखें, क्योंकि कई बार अपने गलत रिएक्शन या ओवर रिएक्ट करने से भी अपराधबोध और तनाव बढ़ता है। याद रहे कि खुद अपने मन को विचलित करने वाली स्वास्थ्य समस्या के कारणों को समझना उसके इलाज की राह बहुत आसान बना देता है।

स्वस्थ-सकारात्मक जीवनचर्या

जिंदगी की जुड़ी भाग-दौड़ के अलावा लाइफस्टाइल से जुड़ी गलतियां भी तनाव के घेरे में लाने का कारण बन रही हैं। सधी हुई दिनचर्या से कमोबेश हर उम्र के लोग दूर हुए हैं। जबकि समय पर काम ना निपटाने से लेकर सोने-जागने का सही रूटीन न रखने जैसी आम सी बातें भी इंसान के मन को स्ट्रेस का शिकार बनाती हैं। अस्त-व्यस्त रहना, अनचाहा सामान जमा करना, खुद अपनी चीजों की देखभाल न करना, नींद पूरी न होना, बुरी लत या कसरत ना करना। सब कुछ मन पर एक अनचाहा सा बोझ बढ़ाने वाला परिवेश बनाकर स्ट्रेस का कारण बन जाते हैं। तनाव की जकड़न वाली गंभीर स्थितियों में डॉक्टर की सलाह लेना आवश्यक है। संतुलित जीवनशैली, स्ट्रेस के जाल में फंसने ही नहीं देती। साथ ही अनुशासित जीवनशैली हमारे विचारों को भी सकारात्मक दिशा देती है। पॉजिटिव सोच, तकलीफदेह परिस्थिति में भी 'सब खत्म हो गया', 'अब कुछ नहीं हो सकता' जैसे नकारात्मक विचारों से बचाती है। असल में आशावादी मन, जीवन के हर उतार-चढ़ाव में एक नयापन ढूंढ़ता है। यह सोच कभी तनाव के घेरे में नहीं आने देती।

जीवन से जुड़िए

आज के दौर में स्क्रीन में गुम रहना हो या चाहे-अनचाहे खुद तक सिमट जाने की प्रवृत्ति, अकेलापन और सामाजिक जीवन से दूरी तनाव के सबसे बड़े कारणों में शामिल हैं। इंसान का जीवन भावनाओं और सामाजिक संबंधों से गहराई से जुड़ा हुआ है। अपनेपन से पोषण पाता है। स्नेह और साथ, मन को सुख देने वाले भाव हैं। यही वजह है कि सामाजिक गतिविधियों का सिमटना तनाव को विस्तार दे रहा है। आज के समय में जिंदगी में एक नीरसता और रूखापन भी आया है। दुनिया भर से जुड़े होने के मुगालते में इंसान खुद अपनी जिंदगी से दूर हुआ है। स्ट्रेस में घिरी मनःस्थिति को साझा करने के लिए भी अधिकतर लोगों के पास कोई विश्वसनीय साथी नहीं होता। जबकि स्ट्रेस मैनेजमेंट का सबसे अहम पहलू ही यही है कि मन-मस्तिष्क की ऊहापोह सुनने या सही सलाह देने के लिए कोई साथी जरूर हो। विश्वसनीय मित्र या परिजन ही ऐसा कर सकते हैं। अपनेपन की यह बुनियाद बनाने के लिए सामाजिक-पारिवारिक मेल-जोल आवश्यक है। *

इस वर्ष की थीम-लीड विद लव

स्ट्रेस प्रॉब्लम को लेकर जागरूकता लाने का एक अहम पहलू मित्रों, परिजनों, सहकर्मियों और पेशेवर लोगों के साथ अपनी मानसिक-भावनात्मक स्थिति के बारे में खुलकर बात करने का परिवेश बनाने से भी जुड़ा है। साथ ही इन दिनों तनाव के घेरे में फंसे अपनों-परायों का संबल बनने की अवेयरनेस लाने के प्रयास भी किए जाते हैं। साल 2025 के लिए तो तनाव जागरूकता माह की थीम ही 'लीड विद लव' है। यह विषय स्ट्रेस की समस्या को लेकर स्वयं अपने और दूसरों के साथ दया, करुणा और सहज स्वीकार्यता के साथ पेश आने पर केंद्रित है। 'प्यार के साथ नेतृत्व करें' का यह विचार तनाव के चलते बहुत सी चुनौतियों से जूझते हुए भी सकारात्मक बने रहने के भाव को पोसने वाला है। कठिनाई के बावजूद जीवन के प्रति सहज बने रहने का संदेश देता है। यह थीम अपने आप के लिए तनाव प्रबंधन हेतु सधी जीवनशैली, संतुलित भोजन, कसरत, योग, मेडिटेशन और खुले संवाद जैसे बदलावों को अपनाने की राह सुझाती है तो दूसरों के मन को समझने के लिए भी सजग करती है।

आधुनिकता, तकनीकी निर्भरता और स्वार्थपरता की वजह से वर्तमान समय में इंसानी समाज के सामने नैतिकता और भरोसे का संकट आ खड़ा हुआ है। बेहतर समाज के लिए जरूरी है कि इसके ग्राफ को गिरने से बचाए रखा जाए।

बेहतर समाज के लिए न गिरने दें नैतिकता-भरोसे का ग्राफ

सोशल बिहेवियर

यशोधरा भटनागर

कहते हैं, शेयर बाजार में कब कौन-सा स्टॉक ऊपर जाएगा और कौन-सा औंधे मुंह गिरेगा, यह कोई नहीं बता सकता। ठीक वैसे ही आजकल इंसानों का भी हाल हो गया है। किसी पर भरोसा करो तो हो सकता है कि वह अगले ही पल आपको ठगने का प्लान बना रहा हो। रिश्तों और भरोसे की कीमतें इस कदर अस्थिर हो गई हैं कि कौन कब नैतिकता के बाजार में दिवालिया हो जाए, इसका कोई भरोसा नहीं।

बदल गया है नजरिया: पहले के जमाने में इंसान अपने चरित्र और नैतिकता से पहचाना जाता था, लेकिन अब यह पहचान उसके बैंक बैलेंस, सोशल मीडिया स्टेटस और अवसरवादी सोच पर आधारित हो गई है। ईमानदारी और सच्चाई के शेयर दिन-ब-दिन गिरते जा रहे हैं, जबकि स्वार्थ, धोखाधड़ी और अवसरवाद के स्टॉक्स बुल मार्केट में है। अब रिश्ते भी शेयर बाजार की तरह हो गए हैं। अगर आपका कोई मित्र या रिश्तेदार आपसे जुड़ा हुआ है, तो यह मत समझिए कि वह आपके अच्छे स्वभाव और ईमानदारी की वजह से है। हो सकता है कि उसने सिर्फ इसलिए आपका साथ पकड़ा हो, क्योंकि वह आपसे कोई मुनाफा निकालना चाहता हो। जैसे ही उसे कोई बेहतर 'इन्वेस्टमेंट ऑप्शन' मिलेगा, वह अपना सारा इमोशनल कैपिटल निकाल कर कहीं और लगा देगा। आजकल दोस्ती और रिश्ते भी आई.पी.ओ. (इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग) की तरह होते हैं। पहले बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, भरोसे के लुभावने विज्ञापन दिए जाते हैं, और जैसे ही लोग इसमें निवेश करते हैं, धीरे-धीरे हकीकत सामने आने लगती है। कई दोस्त और रिश्तेदार सिर्फ तब तक साथ रहते हैं, जब तक उनकी 'रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट' अच्छी बनी रहती है। जैसे ही उन्हें लगता है कि अब यहां कोई फायदा नहीं बचा, वे अपने शेयर बेचकर कहीं और चले जाते हैं।

दिखावा हुआ महत्वपूर्ण: इस नए दौर में दिखावा ही असली पूंजी बन गया है। लोग नैतिकता और ईमानदारी को कर्ज में डूबा हुआ शेयर मानते हैं, जबकि तड़क-भड़क और चालाकी का ग्राफ ऊपर चढ़ता जा रहा है। अगर आप सीधा-सादा जीवन जीते हैं और सच्चाई में विश्वास रखते हैं, तो आपको पुराने जमाने का 'लो वैल्यू स्टॉक' मान लिया जाएगा। लेकिन अगर आप थोड़े घमंडी, थोड़े धोखेबाज और बहुत बड़े दिखावटी हैं, तो आपको 'हाई ग्रोथ स्टॉक' माना जाएगा।

कम हुआ भरोसे का मान: आज की दुनिया में भरोसे का इंडेक्स इस कदर गिर चुका है कि आज किसी की बातों पर यकीन करना ही जोखिम भरा हो गया है। वायदा कारोबार की तरह, लोग बड़े-बड़े वादे तो कर लेते हैं, लेकिन जब डिलीवरी देने का समय आता है, तो 'मार्केट क्रैश' हो जाता है। कई दोस्त और रिश्तेदार इस दौर के 'इनसाइडर ट्रेडर' बन चुके हैं- बाहर से मासूम लगते हैं, लेकिन अंदर ही अंदर आपकी कीमत गिराने की साजिशें चल रही होती हैं। आजकल जब कोई आपसे बहुत मीठा बोलता है, तो यह समझने में देर नहीं लगती कि या तो वह आपसे कुछ उधार लेना चाहता है या फिर कोई और फायदा उठाने के लिए पास आ रहा है। यह दौर वही है, जहां दोस्ती भी 'मार्केट सिचुएशन' देखकर बनाई और तोड़ी जाती है।

विश्वसनीयता का संकट: सवाल है आज की दुनिया में नैतिकता, सच्चाई और अच्छाई का मूल्य आखिर इतना कम क्यों हो गया है? ऐसा नहीं है कि यह दुनिया शुरू से ही ऐसी थी। पहले लोगों की पूंजी उनका चरित्र हुआ करता था। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। अब ईमानदार इंसान को 'अनप्रॉफिटेबल इन्वेस्टमेंट' मान लिया जाता है। किसी की मदद कर दो तो लोग सोचने लगते हैं कि इसमें आपकी क्या चाल है! आज के दौर में अगर आप बिना किसी स्वार्थ के किसी की मदद कर दें, तो सामने वाला शक की नजरों से देखने लगता है। लोग भरोसे की डीलिंग में इतने बार ठगे जा चुके होते हैं कि अब जल्दी किसी पर विश्वास करने से डरते हैं।

बनी रहे रिश्ते-भरोसे की गरिमा: अगर इंसान इसी राह पर चलता रहा, तो वह दिन दूर नहीं जब नैतिकता और मूल्यों की बाजार में कोई खरीद-फरोख्त नहीं बचेगी। लोग केवल दिखावे और मुनाफे के स्टॉक्स में निवेश करेंगे, और इंसानियत का सेंसेक्स हमेशा के लिए क्रैश हो जाएगा। इसलिए जरूरी है कि हम सिर्फ मुनाफे और अवसर के व्यापारी न बनें, बल्कि ऐसे निवेशक बनें जो रिश्तों और भरोसे के ब्लू-चिप स्टॉक्स में लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट करें। तभी समाज का शेयर बाजार स्थिर रहेगा और नैतिकता का ग्राफ फिर से ऊपर जाएगा। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

शैलेंद्र का गीतों भरा जीवन

अपने छोटे से जीवन में ही गीतकार शैलेंद्र ने ऐसे यादगार और शानदार गीत रचे, जो आज भी लोगों की जुबान पर हैं। उनके फिल्मी, गैर फिल्मी गीतों के साथ ही उनके जीवन के तमाम अनछुए पहलुओं पर रोशनी डालती है किताब 'सजनवा बैरी हो गये हमार-गीतकार शैलेंद्र का जीवन और लेखन', जिसे लिखा है, चर्चित फिल्म समीक्षक और लेखक जय सिंह ने। इस किताब से गुजरते हुए हम शैलेंद्र के जीवन में आए तमाम उतार-चढ़ावों से रूबरू हो सकते हैं। परिश्रम से लिखी गई इस किताब में शैलेंद्र के जीवन से जुड़े कई रोचक और मार्मिक किस्सों को पूरी प्रामाणिकता के साथ संजोया गया है। जीवन के हर रंग और गहन दर्शन को सरल शब्दों में पिरोने वाले शैलेंद्र के बारे में इरशाद कामिल ने पुस्तक की भूमिका में सही ही लिखा है, 'शैलेंद्र शब्दों का शिल्प जानता था, कविता की कला जानता था, भावनाओं के सागर की गहराई जानता था और लोगों के दिलों तक पहुंचने का रास्ता जानता था।' *

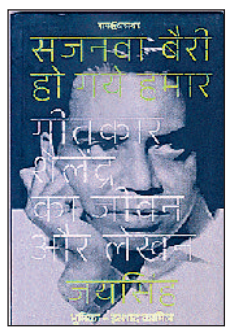

पुस्तकः सजनवा बैरी हो गये हमार, लेखकः जय सिंह, मूल्यः 250 रुपए, प्रकाशकः वाम प्रकाशन, नई दिल्ली

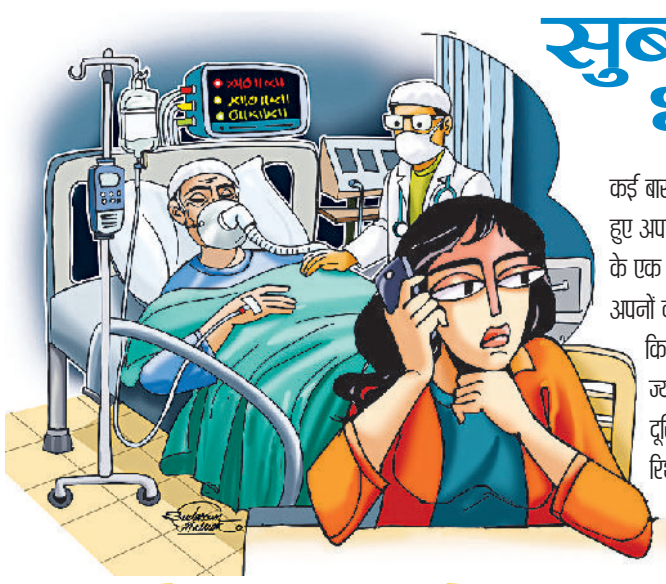

सुबह का भूला

कई बार हम किसी दंभ में जीते हुए अपनों से दूर हो जाते हैं। उम्र के एक पड़ाव पर आकर हमें अपनों की जरूरत महसूस होती है, किसी विपदा में तो और भी ज्यादा, लेकिन तब तक बहुत दूरियां बन चुकी होती हैं, रिश्ते मुरझा चुके होते हैं। जीवन की विसंगति को प्रकट करती कहानी।

कहानी / संजय मृदुल

फाइव स्टार होटल जैसा बड़ा हॉस्पिटल, लॉबी में भीड़-भाड़ के बीच कॉफी शॉप की एक टेबल पर अल्पना अकेली बैठी थी। कॉफी से उठता धुआं अल्पना की आंखों में भर रहा था। अल्पना के चेहरे पर तनाव झलक रहा था। हॉस्पिटल का माहौल ऐसा होता ही है कि अच्छे-भले इंसान का दिल बैठ जाए। वार्डों में कहीं पट्टियों में लिपटे मरीज, किसी बिस्तर पर आंख बंद कर लेटे हुए इंसान के सिर के बाजू रखी मशीन की डरावनी आवाज। आईसीयू के बाहर बैठे परिवारजनों के चेहरे पर किसी आस के भाव, तो किसी की आंखों में निराशा की झलक। अल्पना का यह पहला अवसर था, जब उसे अस्पताल में एक जगह से दूसरी जगह भाग-दौड़ करनी पड़ रही थी।

उधर अल्पना के पिता जी का ऑपरेशन चल रहा था। उन्हें दो दिन पहले सुबह-सुबह सीने में दर्द उठा। अल्पना ने नौकर की मदद से जैसे-तैसे कार से लाकर उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती किया। पता चला धमनियों में ब्लॉकेज है। तात्कालिक उपचार और जाने कितने टेस्ट के बाद आज ऑपरेशन हो रहा है।

अल्पना को समझ में नहीं आ रहा है, किसे कॉल करें। खुद पर उसे भरोसा नहीं हो रहा था कि वह सब संभाल पाएगी। जितने भी रिश्तेदार हैं शहर में, उनसे बस औपचारिक-सा रिश्ता है। न वो किसी के घर जाती है, न ही कोई उसके घर आता है। मन में एक ख्याल यह भी आ रहा था कि अकेले ही संभालना ठीक है, क्यों किसी का एहसान लिया जाए।

इसी ऊहापोह में अल्पना ने बैठे-बैठे कुछ लोगों को पिता जी के बारे में बताने के लिए कॉल किया। मामा जी, चाचा जी, मौसा जी जैसे निकट के रिश्तदारों को। सबने आश्चर्य जताया, सहानुभूति दिखाई और जरूरत पड़े तो बताना जैसे वाक्य बोल इतिश्री कर ली। पिता जी के चचेरे भाई को लगा, पैसे न मांग लें तो वो बिना कुछ कहे पैसों का दुखड़ा रोने लगे।

अल्पना को न पैसों की जरूरत थी न ही भीड़ की, उसे लग रहा था कि कोई होता यहां, जो उसकी हिम्मत बढ़ाता, उसका हाथ थामता, उसका अकेलापन बांटता। मुश्किल की इस घड़ी में उसे कोई ऐसा नजर नहीं आया, जो उसका साथ देता।

गलती किसकी है? अल्पना सोचती रही-हम ही तो समय, व्यस्तता के बहाने बनाकर लोगों से दूरी बना लेते हैं। न किसी के घर जाना, न किसी को बुलाना। सोशल मीडिया में भीड़ वाली लिस्ट में लोगों से जुड़े रहना और जीवन में तन्हा रहना, यही आज की कड़वी सच्चाई है।

पद-प्रतिष्ठा के रुआब में अकड़े हुए, शहर-शहर भटकते हुए जीवन बिता देने वाले उसके पिता ने न कभी रिश्ते जोड़े, न परिवार को जुड़ने दिया। मां भी अपने पति की ऐसी आज्ञाकारी थीं कि जैसा पति ने कहा, वही पत्थर की लकीर बन गया। न मायके में संबंध बनाए रखा, न ससुराल में नाता जोड़ पाईं वह। अल्पना सबको बस या तो नाम से जानती थी या पुरानी अलबम में देखी तस्वीरों से। जब पिता जी के रिटायर होने का समय आया तो उन्हें अपना शहर याद आया। आता भी क्यों नहीं, सारा जीवन अलग-अलग शहरों में घूमने के बाद कहीं तो ठिकाना बनाना था। फिर मां भी नहीं हैं, उनके साथ। भाग-दौड़ के बीच एक दिन मां दुनिया छोड़ कर चली गई थीं। हमेशा खामोश रहने वाली मां ने न अपनी बीमारी बताई, न मन में भरा हुआ बारूद खाली कर पाई। पति के अफसर वाले व्यवहार को झेलती-सहती एक रात वह जो सोईं तो सुबह उठी ही नहीं। अल्पना भी पढ़ाई के बाद पुणे में नौकरी कर रही है। छुट्टियों में आती है तो पिता जी के ढेर काम इकट्ठा होते हैं। रिटायर होने के बाद भी उनका व्यवहार अफसर वाला ही है। पिता कम अफसर ज्यादा लगते हैं वह। तीन-चार दिन की छुट्टियों में पिता जी को केवल काम याद रहता है। ऐसा नहीं कि बैठ कर मन की बातें करें, उसके भविष्य की प्लानिंग पूछें। मां को याद कर लें। बचपन में अल्पना सोचती थी, पिता कभी और लोगों की तरह नॉर्मल क्यों नहीं रहते? उसकी सहेलियों के पिताओं की तरह क्यों उसे लाड नहीं करते?

अल्पना को आज लग रहा था, कितनी बड़ी गलती की उन्होंने। सभी इसी शहर में रहते हैं, बुआ, चाचा, उनका परिवार, लेकिन आज कोई उसके साथ नहीं है। किसे फिक्र है उसकी? किसी ने भी उससे नहीं कहा, 'तुम चिंता मत करो, हम हैं ना।'

कॉफी के मग से उठते धुएं के बीच अल्पना सोचती है कि यह पिता जी की गलती सुधारने का सही मौका है। लेकिन यह भी भय था कि सब ऐसा न समझें कि मतलब पड़ा, तो सबसे संबंध जोड़ रही है वह। बड़ी हिम्मत कर अल्पना ने परिवार के व्हाट्स एप ग्रुप में स्थिति बयान की और सबसे माफी मांगते हुए निवेदन किया कि बीती बातों को भुलाकर पिता जी और उसे मौका दें फिर से जुड़ने का। आज जब उसके ऊपर परेशानी आई है तो उसके साथ खड़े हों, उसका हाथ थाम कर उसे संभालें। अब सबकी मर्जी चाहे अवसर दें या ठुकरा दें। अल्पना को उम्मीद थी, जब सुबह का भूला शाम को घर आना चाह रहा है, कोई तो दरवाजा खोलेगा। *

विज्ञापन.....

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लेडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

@DGN

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समयः दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466
www.nonsurgicalspinecentre.in

नदियों किनारे लगने वाले बैसाख मेले

मनमोहक धार्मिक-सांस्कृतिक छटा

बैसाख माह में भारत की विभिन्न नदियों के किनारे लगने वाले मेले धार्मिक आस्था, कृषि परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहर का संगम हैं। गंगा, यमुना, नर्मदा, गोदावरी, कावेरी और ब्रह्मपुत्र तट पर लगने वाले ये मेले बहुत धार्मिक महत्व रखते हैं। इन बैसाख मेलों की धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक परंपराओं पर एक नजर।

पर्व-परंपरा / धीरज बसाक

भारत में सदियों से जीवन जीने का ढंग महज भौतिक नहीं रहा यानी खाने-पीने और आराम करने तक ही सीमित नहीं रहा। हमारे यहां जीवन प्रकृति, मौसम, धर्म और संस्कृति के खूबसूरत तालमेल का हिस्सा रहा है। यही वजह है कि प्राचीनकाल में हमारे यहां कोई भी मौसम आपदा या परेशानी का सबब नहीं माना जाता था, बल्कि सभी मौसम अपनी-अपनी तरह के उल्लास का स्रोत माने जाते रहे हैं।

प्राकृतिक बदलाव का स्वागत-पर्व: हमारे यहां रोजमर्रा के जीवन में, हर मौसम के साथ दोस्ती करने, उसके साथ जीवंत तालमेल बनाने की बकायदा जीवनशैली रही है। हम हर मौसम का उसके आने के पहले अपनी ऐसी ही धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के जरिए स्वागत करते रहे हैं। उसके साथ तालमेल बिठाते रहे हैं, इस कारण हमारे यहां परंपराओं के नाम पर हर मौसम के अनुकूल उल्लास की चुनी और बुनी हुई गतिविधियां मौजूद रही हैं। यही वजह है कि बसंत ऋतु को विदा देने वाले और घनघोर गर्मियों की तरफ कदम बढ़ाने वाले बैसाख माह में सदियों से हमारे यहां नदियों के किनारे बकायदा उल्लास भरे सांस्कृतिक मेले लगते रहे हैं।

पंजाब में बैसाखी पर गिद्दा करती महिलाएं

बैसाखी मेले पर वृंदावन में कृष्णलीला का मंचन

नदियों किनारे लगते हैं मेले: हालांकि अब इन परंपरा को ढोने वाले मेलों में वह जीवंतता, लोगों की वह चुंबकीय भागीदारी नहीं बची, जो इन्हें उल्लास का कारक बनाती हैं। लेकिन आज भी बैसाख महीने में भारत की सभी बड़ी नदियों के किनारे किसी न किसी रूप में ये बैसाख मेले लगते हैं, जो हमें किसी हद तक हमारी धार्मिक आस्था, कृषि पर्व, और लोक-संस्कृति से जोड़ते हैं।

हरिद्वार-प्रयाग-काशी के बैसाख मेले: हरिद्वार में हर की पैड़ी और सप्तऋषि घाट, प्रयागराज में संगम के किनारे और वाराणसी में वृंदावन घाट, गांव के किनारे बैसाख मेले लगते हैं। गंगा नदी प्राचीन काल से हमारी सनातन आस्था और संस्कृति के केंद्र में रही है। इसके किनारे बसे महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक शहरों हरिद्वार, प्रयागराज और काशी या वाराणसी में हर साल बैसाख माह में मेले लगते रहे हैं। आज भी प्रतीक रूप में बचे इन मेलों में लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं। इनकी प्रमुख गतिविधियों में गंगा आरती, भजन-कीर्तन और दान-पुण्य होता है। इस दौरान यहां संतों के प्रवचन और वैदिक अनुष्ठान भी होते हैं। वाराणसी में विशेष तौर पर क्षेत्रीय हस्तशिल्प, खान-पान, और पारंपरिक वस्त्रों के स्टॉल लगते हैं। यहां मेला मुख्य रूप से पंचकोशी परिक्रमा मार्ग पर स्थित वृंदावन गांव में लगता है, जो वाराणसी शहर से लगभग 10-12 किलोमीटर की दूरी पर है।

मान्यता है कि बैसाख माह में यहां यानी वृंदावन सरोवर घाट में स्नान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। यहां बैसाख मेले में स्थानीय कलाकारों द्वारा लोकगीत, नाटक, और भजन-कीर्तन किए जाते हैं। इससे यह एक सांस्कृतिक उत्सव बन जाता है।

पंजाब में बैसाखी मेले: बैसाखी का पर्व, सिख और पंजाबी समुदाय के लिए कई वजहों से बहुत महत्वपूर्ण है। वैसे यह फसल कटाई का त्योहार माना जाता है, लेकिन इसी दिन सन 1699 में गुरु गोविंद सिंह जी ने आनंदपुर साहिब में खालसा पंथ की स्थापना की थी। इसलिए पंजाब में यह पवित्र पर्व नदियों और सरोवरों के किनारे लगने वाले मेलों के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन गुरुद्वारों में विशेष कीर्तन और लंगर होता है।

तिरुचिरापल्ली में श्रीरंगनाथस्वामी मंदिर

कामाख्या मंदिर में बैसाखी मेले पर उमड़े श्रद्धालु

लोग खुशी व्यक्त करने के लिए पारंपरिक भांगड़ा-गिद्दा नृत्य करते हैं। स्वर्ण मंदिर (अमृतसर) और आनंदपुर साहिब में भव्य आयोजन होते हैं। हालांकि स्वर्ण मंदिर सीधे किसी नदी किनारे स्थित नहीं है। इसके कुछ किलोमीटर दूर कालीबेई और रावी नदी बहती हैं जबकि आनंदपुर साहिब सतलुज की सहायक नदी सिरसा के तट पर स्थित है, जहां बैसाख मेले की खूब रौनक सजती है। बैसाखी का दिन रबी फसल (गेहूं) की कटाई के बाद किसानों के लिए खुशियों का अवसर होता है। किसान नई फसल का उत्सव मनाते हैं।

मथुरा-वृंदावन में बैसाख मेला: विश्राम घाट, मथुरा और कोशी घाट, वृंदावन में आयोजित बैसाख मेलों के दौरान भगवान कृष्ण से जुड़ी कथाओं का मंचन और झांकी निकाली जाती हैं। लोग यमुना नदी में स्नान करते हैं और विशेष पूजा-अर्चना करते हैं।

नासिक का बैसाख मेला: बैसाखी मेला नासिक के पंचवटी क्षेत्र में रामकुंड में आयोजित होता है। श्रद्धालु यहां दूर-दूर से स्नान करने आते हैं। इस पूरे मेले वाले दिन यहां महाराष्ट्र की लोकसंस्कृति के साथ-साथ भजन और कीर्तन का आयोजन होता है।

नर्मदा तट पर मेला: बैसाखी के दिन नर्मदा उद्गम स्थल, अमरकंटक में श्रद्धालु पवित्र नर्मदा नदी में स्नान और धार्मिक अनुष्ठान करते हैं। बड़े पैमाने पर इस स्नान के लिए यहां देशभर से साधु-संत आते हैं। शाम को नर्मदा नदी की आरती होती है। अमरकंटक के अलावा होशंगाबाद के सेठानी घाट पर भी बैसाखी मेला लगता है।

कावेरी तट पर मेला: बैसाखी के दिन कर्नाटक और तमिलनाडु में बहने वाली पवित्र कावेरी और इसकी सहायक नदियों के किनारे बसे तिरुचिरापल्ली, कुंभकोणम और मैसूर शहर में विशेष बैसाखी मेले आयोजित होते हैं। तिरुचिरापल्ली में स्थित श्रीरंगनाथस्वामी मंदिर में इस दिन विशेष पूजन और उत्सव संपन्न होता है। कुंभकोणम में भी इस दिन पारंपरिक द्रविड़ शैली की भव्य झांकियां निकलती हैं। इसके साथ ही कावेरी के तट पर वैष्णव भक्तों का हुजूम उमड़ता है और भक्ति संगीत की त्रिवेणी बहती है।

ब्रह्मपुत्र नदी के तट पर बैसाखी मेला: कामाख्या मंदिर, गुवाहाटी में इस मेले के दौरान विशेष अनुष्ठान संपन्न होते हैं। इन अनुष्ठानों में तांत्रिक परंपराओं का पालन होता है। जिसमें असमिया लोक संस्कृति और बिहू नृत्य का प्रदर्शन होता है।

बिहार-झारखंड के बैसाख मेले: बिहार में सोनपुर का और झारखंड में गुमला स्थित रामरेखा धाम का बैसाख मेला बहुत प्रसिद्ध हैं। गंडक और गंगा के संगम में सोनपुर का यह मेला ऐतिहासिक हरिहरनाथ मंदिर से जुड़ा हुआ है। इस मेले में लोकनृत्य, पारंपरिक झूमर नृत्य का विशेष प्रदर्शन होता है। *

सही नहीं हर किसी को अनावश्यक उपदेश देना

दूसरों को उपदेश देना सामान्य मानवीय स्वभाव है। जब से सोशल मीडिया का ट्रेंड बढ़ा है, दूसरों को उपदेश देने वालों की बाढ़ आ गई है। लेकिन ऐसा बार-बार करने से घर के सदस्य हों या बाहर के लोग, आपसे दूरी बनाना शुरू कर सकते हैं।

बिहेवियर

विवेक कुमार

इन दिनों सोशल मीडिया पर हेल्थ रिलेटेड कई इंफ्लूएंसर यह शिकायत कर रहे हैं कि अब लोग उनकी टिप्स पर उतना ध्यान नहीं देते, जितना पहले दिया करते थे। दरअसल, इसकी वजह उनका लगातार उपदेश देते रहना है। यह विभिन्न शोध अध्ययनों से स्पष्ट हो गया है कि लोग एक हद तक ही किसी से ज्ञान ले सकते हैं या उनके उपदेश सुन सकते हैं। एक सीमा के बाद लोग ऊब जाते हैं, क्योंकि हर कोई अपनी सोच और फैसलों में आजादी चाहता है, जबकि उपदेश देने वाला हर हाल में उसे अपना फॉलोअर बनाना चाहता है।

संभव नहीं हमेशा सुनना: उपदेशों में आमतौर पर संवाद एकतरफा हो जाते हैं और सामने वाला सिर्फ सुनने को मजबूर हो जाता है। इसलिए एक न एक दिन वह उपदेशों से दूरी बनाने लगता है। यह बात सिर्फ बाहर ही नहीं घर-परिवार में भी लागू होती है। जिन बच्चों को मां-बाप कुछ न कुछ सिखाते रहते है यानी, उपदेश देते रहते हैं, वे बच्चे अकसर इन उपदेशों से किसी न किसी दिन बगावत कर देते हैं।

सोशल मीडिया से बढ़ा ट्रेंड: ज्यादा उपदेश सुनना किसी को पसंद नहीं होता, यह बात जानने-समझने के बावजूद आज सोशल मीडिया में हर तरफ, हर कोई उपदेश ही देते मिलता है। लोग अब सिर्फ बातें ही नहीं सिखाते बल्कि अपनी बात मनवाने के तमाम तर्क देते हैं, अपनी बताई दिशा में धकेलने का पूरा प्रयास करते हैं। ऐसा करना अनुचित है। लेकिन हमारे इर्द-गिर्द हर क्षेत्र के ढेरों तथाकथित विशेषज्ञ हो गए हैं, जो किसी भी शर्त पर हमारा मार्गदर्शन करने से चूकना नहीं चाहते। ऐसे लोगों के दिलो-दिमाग में हर समय उपदेश कुलबुलाते रहते हैं और वे यही चाहते हैं कि जैसे ही कोई मिले वह उन पर ये उपदेश उड़ेल दें।

हर कहीं मौजूद उपदेशक: आज के दौर में हमारे इर्द-गिर्द ऐसे उपदेशकों की भरमार है। टेलीविजन चैनल पर दिन-रात विशेषज्ञों और मार्गदर्शकों के उपदेश प्रसारित होते हैं। बहुत सारी सेल्फ हेल्प बुक्स हैं, उनमें उपदेशों की भरमार होती है। यहां तक कि बाजार में सब्जी या कोई सामान खरीदने जाएं तो वहां पर भी आपको ऐसे उपदेश सुनने को मिल सकते हैं। मसलन, आपने दुकान वाले को 50 की बजाय 100 रुपए का नोट थमा दिया और वह आपके पैसे वापस करता है तो भी उपदेश के साथ, जो वह ईमानदारी पर देता है और आपको उपदेश पर उसकी सारी बातें सुननी पड़ती हैं। घर आकर आपको लगता है कि कितना अच्छा होता वह आपको 50 रुपए भले वापस न करता, आपको इतने उपदेश तो न सुनने पड़ते।

मिलती है संतुष्टि: उपदेशक बनने में एक संतुष्टि मिलती है। आपने कोई अच्छी किताब पढ़ी या आपको कोई उक्ति कोट करने लायक लगती है तो आप जो कुछ सीखते हैं, उसे दूसरों को भी शेयर करते हैं, ऐसे में आप भी तो उपदेशक ही हुए न! उस समय आपको लगता है कि आप जो कह रहे हैं, वह सही है और आपने ऐसी बात कहकर जीवन में किसी को कुछ तो सिखाया है और आपको भी यह विश्वास हो जाता है कि दिल को अच्छी लगने वाली बातों को हम दूसरों से भी शेयर करें। दूसरों से जब हम शेयर करते हैं और वे भी हमारी बात से सहमत होते हैं तो इससे हमें एक सुख मिलता है।

संतुलन है जरूरी: हम आज ऐसी दुनिया में रह रहे हैं, जहां पर चारों ओर अच्छे विचारों और सलाहों के स्वर गूंज रहे हैं। यह अनुचित तभी होगा, अगर हम जबर्दस्ती दूसरों को उपदेश दें। हम एक-दूसरे को सलाह देते हैं कि हमें किसी भी सवाल का जवाब सबसे पहले खुद से पूछना चाहिए। लेकिन हममें से कितने ऐसे लोग हैं, जो अपनी किसी भी समस्या या प्रश्न के बारे में अपने आपसे पूछते हैं? हम हमेशा उसके समाधान के लिए दूसरों का मुंह ताकते हैं। इसलिए किसी को सलाह देना गलत नहीं है, लेकिन किसी को सही समय पर ही सलाह देनी चाहिए, सही जगह और सही नजरिए के साथ। जरूरत इस बात की है, हमें इसमें संतुलन बनाकर रखना चाहिए। जो आपसे सलाह या मार्गदर्शन मांगे, उसे जरूर दें। लेकिन जिसे आपके उपदेशों में रुचि नहीं है या किसी को अपना फॉलोअर बनाने के लिए दबाव डालना उचित नहीं है। *

टेक्नो ट्रेंड

नरेंद्र शर्मा

अगर आप सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं, तो 'घिब्ली स्टाइल' के ट्रेंड से जरूर वाकिफ होंगे। क्या है घिब्ली स्टाइल, यह कहां से शुरू हुआ, क्यों हो रहा इतना वायरल? आप जरूर जानना चाहेंगे।

सोशल मीडिया का नया टाइम पास घिब्ली स्टाइल

इंटरनेट और सोशल मीडिया पर आए दिन कोई-न-कोई फीचर या एप ट्रेंड करता रहता है। ऐसा ही एक ट्रेंड पिछले कुछ दिनों से इंटरनेट की दुनिया में छाया हुआ है, जिसका नाम है-घिब्ली स्टाइल। आपमें से कई लोगों ने अपनी और अपनों की फोटोज को घिब्ली स्टाइल में क्रिएट कर एंज्वॉय भी किया होगा।

क्या है घिब्ली स्टाइल: यह एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित टूल है, जो एडवांस्ड इमेज प्रोसेसिंग तकनीक के माध्यम से तस्वीरों को री-क्रिएट करता है। इस टूल के माध्यम से आप अपनी किसी भी तस्वीर को क्लासिक एनिमेशन स्टाइल तस्वीर में बदल सकते हैं। वैसे मूल 'घिब्ली' का शाब्दिक अर्थ है, रेगिस्तान में चलने वाली गर्म हवा। लेकिन इंटरनेट पर वायरल हो रहे 'घिब्ली स्टाइल' तस्वीरों के ट्रेंड्स को देखते हुए कह सकते हैं कि 'घिब्ली' से आशय हाथ से बनाई गई कार्टून तस्वीरों, समृद्ध जलरंग और एक्रेलिक पेंट्स और डिटेल्ड बैकग्राउंड वाली डिजाइन से है।

कैसे वायरल हुआ यह ट्रेंड: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी 'ओपन एआई' ने 25 मार्च, 2025 को अपने चैट जीपीटी 4 ओ मॉडल में एक नए इमेज जनरेशन फीचर 'घिब्ली स्टाइल' की घोषणा की, जिसके जरिए यूजर्स अपनी तस्वीरों के साथ अनोखे एक्सपेरिमेंट्स कर सकते हैं। सिएटल के सॉफ्टवेयर इंजीनियर ग्रांट स्लैटन ने उसी दिन अपनी पत्नी और डॉगी के साथ समुद्र तट पर ली गई एक तस्वीर को 'घिब्ली' शैली में परिवर्तित करके अपने एक्स एकाउंट पर पोस्ट कर दिया। देखते ही देखते सोशल मीडिया में न केवल इस तस्वीर को लाइक करने वाले लोगों की संख्या लाखों में पहुंच गई, बल्कि लोग खुद भी अपनी तस्वीरें घिब्ली स्टूडियो शैली में जनरेट करके अपलोड करने लगे और इस वजह से इस ट्रेंड की बाढ़ आ गई।

जापानी स्टूडियो की देन: 'घिब्ली' वास्तव में एक जापानी एनिमेशन स्टूडियो का नाम है, जिसे हायाओ मियाजाकी और इसाओ ताकाहाता ने 1985 में स्थापित किया था। इस स्टूडियो ने अपनी अनूठी कला शैली विकसित की है। इस कला शैली की कुछ खासियतें हैं, जैसे यह शैली बेहद भावनात्मक, सजीव और प्रकृति से गहराई से जुड़ी हुई विजुअल्स निर्मित करती है। इसमें अद्भुत कल्पनाशीलता का विस्तार है, जैसे उड़ते हुए महल, बोलते हुए जानवर और ऐसी ही सम्मोहक जादुई दुनिया।

नैतिकता के पैमाने पर घिब्ली: चैट जीपीटी का यह नवीनतम इमेज-जनरेशन फीचर ऐसी तस्वीरें और दृश्य बना रहा है, जो लगता है मानो सीधे 'स्टूडियो घिब्ली' के मालिक मियाजाकी की स्केचबुक से निकले हों। अब एआई टूल्स जैसे मिडजर्नी और डल-ए, इस स्टाइल की नकल करके पलक झपकते ही हू-ब-हू घिब्ली शैली जैसी तस्वीरें बना रहे हैं। एआई टूल्स की ये सटीक कलात्मकता अपनी जगह है, लेकिन सवाल है कि यह नैतिकता की दृष्टि से कितना सही है? क्योंकि घिब्ली स्टूडियो ने कभी किसी एआई को अपने काम से ट्रेनिंग की अनुमति नहीं दी। फिर भी कंपनियां एआई को यह स्टाइल सिखा रही हैं। वास्तव में यह उचित नहीं है। जिन पारंपरिक कलाकारों को यह स्टाइल सीखने में वर्षों लगे, उनकी वर्षों की मेहनत एआई उनसे पलक झपकते छीन रहा है। इससे दुनिया के वास्तविक कलाकारों का भविष्य खतरे में पड़ रहा है।

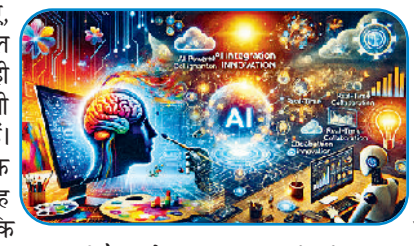

'जब एआई ये सब मुफ्त में बना सकता है, तो मैं किसी कलाकार को क्यों हायर करूं?' लोग यही सोचकर ऐसे क्रिएटिव आर्ट के लिए कलाकारों के बजाय एआई टूल्स की सेवा लेने लगे हैं। लेकिन जरा सोचिए, क्या एक मशीन द्वारा बनाई गई कला भी उतनी ही 'सच्ची' और 'इनसानी' हो सकती है, जितनी किसी इंसान द्वारा बनाई गई? बहरहाल, इन परिस्थितियों से हताश या निराश होने के बजाय हमें नई रचनात्मक दिशाओं की तलाश करनी होगी, जैसे-एआई के साथ मिलकर क्रिएटिविटी को अपनाना। हमें एआई को क्रिएटिविटी में सहयोगी बनाना चाहिए, ऑप्शन नहीं। तभी कला और तकनीक का बैलेंस्ड यूज हो पाएगा। *

हाल में रिलीज हुई फिल्म 'जाट' में सनी देओल अपने जाने-पहचाने एंग्री एक्शन मैन के रोल में दिख रहे हैं। साउथ फिल्मों के डायरेक्टर गोपीचंद मलिनेनी के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में काम करने के उनके एक्सपीरियंस कैसे रहे? अब तक की अपनी एक्टिंग जर्नी को वे कैसे देखते हैं? फिल्म और करियर से जुड़े कई सवालों के जवाब सनी देओल ने दिए इस बातचीत में।

बतौर एक्टर मेरा करियर अच्छा-खासा चल रहा है: सनी देओल

खास मुलाकात

पूजा सामंत

चार दशक पहले फिल्म 'बेताब' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले सनी देओल को फिल्म इंडस्ट्री में 42 वर्ष हो चुके हैं। इन दिनों सनी देओल, बीते शुक्रवार को रिलीज हुई फिल्म 'जाट' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म की कहानी और पटकथा लिखने के साथ ही डायरेक्ट भी किया है साउथ फिल्मों के गोपीचंद मलिनेनी ने। फिल्म में सनी देओल के अपोजिट रेजिना कैसेंड्रा और सैयामी खेर हैं, जबकि रणदीप हुड्डा नेगेटिव रोल में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म और करियर से जुड़ी बातें सनी देओल के साथ।

आपने पहली बार साउथ फिल्म मेकर के साथ फिल्म की है, इसकी क्या खास वजह रही?

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की कई खासियतें हैं। यहां ज्यादातर आम लोगों के लिए फिल्में बनाई जाती हैं। मनोरंजन के साथ-साथ अच्छी कहानी का भी ध्यान रखा जाता है। गोपीचंद ने जब इस फिल्म की स्टोरी सुनाई, तो मुझे फिल्म की कहानी, इसमें मेरा किरदार बेहद पसंद आया, इसलिए मैंने बिना देर किए इस फिल्म के लिए हामी भर दी।

आप खुद जाट परिवार से ताल्लुक रखते हैं। ऐसे में आप अपनी फिल्म 'जाट' के साथ कैसे खुद को रिलेट करते हैं?

यह सच है कि मैं जाट परिवार से ताल्लुक रखता हूं। लेकिन अपने देश में अमूमन 'जट' यानी किसान को भी 'जाट' कहा जाता है। मैं इस फिल्म में जाट यानी किसान बना हूं। किसान कहीं का हो, उनका खान-पान, रहन-सहन, संस्कृति, जीवन तकरीबन एक-सा होता है। खेती-किसानी से हम जुड़े रहे हैं। इसलिए यह फिल्म और इसमें अपने किरदार से मैं आसानी से रिलेट करता हूं।

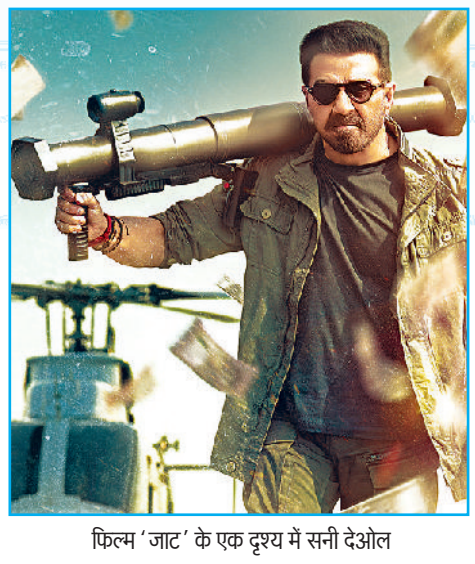

फिल्म 'जाट' के एक दृश्य में सनी देओल

आपने हाल-फिलहाल में यह कहा था कि आप साउथ में सैटल होना चाहते हैं। क्या वाकई ऐसी प्लानिंग है?

साउथ फिल्म इंडस्ट्री का डिसिप्लीन और वर्किंग स्टाइल देखकर मैं सरप्राइज्ड रह गया। 'जाट' साउथ में की मेरी पहली ही फिल्म है। इसका अनुभव बड़ा सुहाना, यादगार रहा। मैंने महसूस किया कि यहां लोग अपने काम को बड़ी गंभीरता से लेते हैं। यही वजह है कि यहां की अधिकांश फिल्में सफल होती हैं। इन्हीं सब कारणों से मैंने मजाकिया अंदाज में यह कह दिया था, मैं अब प्रोफेशनल कारणों से साउथ में बसने वाला हूं। नथिंग सीरियस!

आपने कुछ फिल्में डायरेक्ट भी की हैं, लेकिन इधर कुछ वर्षों से आपने कोई फिल्म डायरेक्ट नहीं की, इसकी क्या वजह है?

मैंने 1999 में 'दिल्लगी' फिर 2016 में 'घायल वंस अगेन' फिर 2019 में 'पल-पल दिल के पास' फिल्मों को निर्देशित किया था। जब भी मैंने डायरेक्शन की बागडोर संभाली, मुझे उन फिल्मों को मना करना पड़ा, जो उस दौरान मुझे ऑफर हुई थीं। मुझे मेरे वेल विशर्स ने यह सलाह दी कि दर्शक आपको बतौर एक्टर सिल्वरस्क्रीन पर देखना चाहते हैं। मुझे लगता है कि एक लीडिंग एक्टर के रूप में मेरा करियर जब अच्छा-खासा चल रहा है तो मुझे उसी पर फोकस करना चाहिए। इसलिए अब मैं डायरेक्शन के बजाय एक्टिंग को तवज्जो दे रहा हूं।

आपके फिल्मी करियर को 42 वर्ष हो चुके हैं, कैसा रहा अब तक का फिल्मी सफर?

बहुत ही अच्छा रहा। मेरी डेब्यू फिल्म 'बेताब' को आज भी लोग भूल नहीं पाए हैं, जबकि इस फिल्म को रिलीज हुए 42 वर्ष हो चुके हैं। मैं अपने करियर का पूरा श्रेय अपने पापा को देना चाहूंगा। अगर उन्होंने मुझे लॉन्च नहीं किया होता तो शायद मेरा एक्टिंग में करियर ही नहीं बनता! मेरे एक्टिंग करियर का दूसरा बड़ा श्रेय मेरे दर्शक, मेरे मेकर्स, मेरे को एक्टर्स सभी को जाता है। कई बार फिल्में नहीं चलीं, लगा अब खत्म हुआ फिल्मी सफर, लेकिन फिर कोई न कोई फिल्म चली और मैं कहता रहा, 'एक मोड़ आया, मैं उत्थे असफलता छोड़ आया' रब दी मेहर बड़ी रही।

आपके प्रति एक डर-सा रहता है लोगों और मीडिया के दिल में, इसकी क्या वजह है?

ऐसा शायद मेरे फिल्मी इमेज की वजह से हुआ है। लेकिन असल जिंदगी में मैं बहुत सॉफ्ट स्पोकन, अच्छे व्यवहार का शख्स हूं। सभी के साथ प्यार से पेश आता हूं। मुझसे मेरे फैंस या मीडिया के लोग डरें, ऐसा मेरा व्यवहार कभी नहीं रहा।

अपनी अपकमिंग फिल्मों के बारे में कुछ बताइए।

आमिर खान प्रोडक्शन की राजकुमार संतोषी निर्देशित 'लाहौर 1947' और जे.पी. दत्ता की 'बॉर्डर 2' आने वाली हैं। इसके अलावा और भी कुछ फिल्मों पर बातचीत चल रही है, वक्त आने पर इस बारे में भी बताऊंगा। *

मेरी पहचान-ढाई किलो का हाथ

जब भी सनी देओल की बात चलती है, 'ढाई किलो का हाथ' का जिक्र जरूर आता है। इस बारे में पूछे जाने पर सनी कहते हैं, 'इस डायलॉग के हिट होने के बाद जब हर जगह, हर कहीं 'ढाई किलो का हाथ' मेरी पहचान से जुड़ने लगा, तो मैं इससे ईरिटेट हो जाता था। लेकिन बाद में मुझे अहसास हुआ कि मेरे फैंस को मेरी यह पहचान पसंद है, तो मैंने भी इसे 'अडॉप्ट' कर लिया। अब मुझे बुरा लगना बंद हो गया है। अब तो मेरे करियर, मेरी पहचान का हिस्सा बन चुका है-ढाई किलो का हाथ।